चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय, मेरठ

पाठ्यक्रम एम0 ए0 हिंदी
(सी०बी०सी०एस०) विश्वविद्यालय परिसर विद्यार्थियों के लिए
(वर्ष 2019–20 से प्रभावी)

सेमेस्टर प्रथम

1 हिंदी साहित्य का इतिहास
2 प्राचीन एवं पूर्व मध्यकालीन काव्य
3 नाटक एवं रंगमंच
4 प्रयोजनमूलक हिंदी
5 सामान्य हिंदी

सेमेस्टर द्वितीय

1 उत्तर मध्यकालीन काव्य
2 कथा–साहित्य
3 कथेत्तर गद्य साहित्य
4 भाषा विज्ञान एवं हिंदी भाषा
5 कोश विज्ञान

सेमेस्टर तृतीय

1 आधुनिक काव्य (छायावाद पर्यंत)
2 भारतीय काव्यशास्त्र
3 विशिष्ट रचनाकार (कोई एक विकल्प)
(क) कबीरदास (ख) सूरदास
(ग) गोस्वामी तुलसीदास (घ) जयशंकर प्रसाद
(ड) मुंशी प्रेमचंद (च) सच्चिदानंद हीरानंद वात्स्यायन 'अज्ञेय'
4 पत्रकारिता–प्रशिक्षण
5 अनुवाद

सेमेस्टर चतुर्थ

1 छायावादोत्तर काव्य
2 पाश्चात्य काव्यशास्त्र
3 विशिष्ट साहित्य–धारा (कोई एक विकल्प)
(क) भारतीय साहित्य (ख) कौरवी लोक साहित्य
(ग) प्रवासी हिंदी साहित्य (घ) प्राचीन भाषा–साहित्य (कोई एक विकल्प)
(i) संस्कृत, (ii) प्राकृत–अपभ्रंश
4 हिंदी आलोचना
5 Moocs Elective Paper (Sefl Studies)

चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय, मेरठ

पाठ्यक्रम शिक्षण हेतु सामान्य निर्देश

1. एम०ए० हिंदी सी०बी०सी०एस० पाठ्यक्रम के अंतर्गत प्रत्येक सत्र की चार हिंदी विषय संबंधी अनिवार्य प्रश्न पत्रों की आंतरिक एवं बाह्य परीक्षाएं विश्वविद्यालय नियमानुसार कुल 100 अंकों की होगी।
2. प्रत्येक सत्र में आंतरिक मूल्यांकन सतत् कक्ष शिक्षण के क्रम में निम्नानुसार होगा–
   1– दो सत्र परीक्षाएँ,
   2– संगोष्ठी पत्र लेखन, प्रस्तुतीकरण
   3– क्विज टेस्ट, पुस्तकालय कार्य, गृहकार्य मूल्यांकन
3. संबंधित परीक्षाओं में सभी इकाईयों (यूनिट) से अनिवार्यतः प्रश्न पूछे जाएंगे। शिक्षण इकाईयों (यूनिट) के क्रम में ही कराया जाएगा (जिससे आतंरिक परीक्षा के लिए सुविधा रहेगी)।
4. शिक्षण में आधार सामग्री, आलोचनात्मक सामग्री, शोध पत्र–पत्रिकाओं, साहित्यिक एवं आलोचनात्मक पत्रिकाओं के अलावा संबंधित प्रश्नपत्र में प्रायोगिक अथवा प्रयोगशालाओं पर आधारित अध्ययन भी कराया जाएगा।
5. प्रश्नपत्र से संबधित शोध पत्रों को अध्ययन में शामिल करना होगा, इसके लिए इस प्रश्न पत्र से संबंधित कम से कम दो शोध पत्रों को छात्र–छात्राओं के संदर्भ को रूप में समझाया जाए तथा अध्ययन सामग्री में शामिल किया जाए।
6. बाह्य परीक्षा के प्रश्नपत्रों में पूछे जाने वाले अंक निर्धारण का प्रारूप प्रत्येक पाठ्यक्रम के अंत में दिया गया है। बाह्य परीक्षा के प्रश्न पत्र तदनुरूप रहेंगे। आंतरिक परीक्षाओं में बाह्य परीक्षा के प्रश्नपत्रों के प्रारूप से विद्यार्थियों का परिचय हो जाना चाहिए।
7. एम०ए० हिंदी सी०बी०सी०एस० पाठ्यक्रम के अंतर्गत प्रत्येक सत्र में पाँच प्रश्न पत्र में चार हिंदी विषय संबंधी अनिवार्य प्रश्न पत्र होंगे तथा एक ओपन इलेक्टिव अन्य विषय संबंधी वैकल्पिक प्रश्न पत्र होगा। इस प्रकार पाठ्यक्रम संबंधी प्रत्येक सत्र के चारों प्रश्न पत्र छः क्रेडिट के होंगे। अर्थात 06 X 04 X 04 = 96 क्रेडिट। प्रत्येक सत्र का पंचम प्रश्न पत्र 04 क्रेडिट का होगा। इन चार में से विद्यार्थी को न्यूनतम तीन ओपन इलेक्टिव प्रश्न पत्र लेने आवश्यक हैं अर्थात 112 के विपरीत न्यूनतम 108 क्रेडिट आवश्यक होंगे।
8. पंचम प्रश्न पत्र बाह्य प्रश्न पत्र होगा तथा अधिकतम 100 अंकों का होगा।

सेमेस्टर प्रथम (पाठ्यक्रम प्रथम)
हिंदी साहित्य का इतिहास

इकाई 1

परंपरा एवं इतिहास, साहित्य का विकासवादी अवधारणा/जैविकीय सिद्धांत, हिंदी साहित्य के काल विभाजन का आधार, हिंदी साहित्य के इतिहास लेखन की परंपरा।

इकाई 2

आदिकाल की पृष्ठभूमि, आदिकाल का काल निर्धारण और नामकरण, पुरानी हिंदी (परवर्ती अपभ्रंश), सिद्ध, नाथ और जैन साहित्य, रासो काव्य, स्फुट साहित्य (विद्यापति, अमीर खुसरो, ढोला मारू, अब्दुर्रहमान)

इकाई 3

भक्तिकाल की पृष्ठभूमि, परिस्थितियाँ, भक्तिकालीन कविता की प्रमुख प्रवृत्तियाँ और विशेषताएँ, संत काव्यधारा, सूफी काव्यधारा, कृष्ण भक्ति काव्य, राम भक्ति काव्य, अन्यान्य प्रवृत्तियाँ।

इकाई 4

रीतिकालीन कविता की पृष्ठभूमि, प्रमुख प्रवृत्तियाँ, रीतिकालीन कविता का स्वरूप (रीतिसिद्ध, रीतिबद्ध, रीतिमुक्त), रीति इतर काव्य एवं गद्य साहित्य, रीतिकाल का सामाजिक सांस्कृतिक पक्ष।

इकाई 5

आधुनिक साहित्य की पृष्ठभूमि, परिस्थितियाँ, नवजागरण, भारतेंदु युग, द्विवेदी युग, छायावाद, प्रगतिवाद, प्रयोगवाद, नई कविता, समकालीन कविता, नवगीत, आधुनिक विमर्श एवं अन्य गद्य विधाएं

निबंधात्मक/आलोचनात्मक प्रश्न	2 X 15 =	30 अंक
लघु उत्तरीय प्रश्न	5 X 2 =	10 अंक
अति लघु उत्तरीय प्रश्न	10 X 1 =	10 अंक
योग	=	**50 अंक**

नोट :– लघु उत्तरीय प्रश्नों का उत्तर अधिकतम 200 शब्दों में तथा अति लघु उत्तरीय प्रश्नों का उत्तर अधिकतम 100 शब्दों में लिखना होगा। अति लघु उत्तरीय प्रश्नों में बहुविकल्पीय तथा सत्य–असत्य पर आधारित प्रश्न नहीं पूछे जाएंगे।

संदर्भ ग्रंथ :– हिंदी साहित्य का इतिहास

1	हिंदी साहित्य का सरल इतिहास	– विश्वनाथ त्रिपाठी
2	साहित्य और इतिहास दृष्टि	– मैनेजर पांडेय
3	साहित्य का इतिहास दर्शन	– डॉ0 नलिन विलोचन शर्मा
4	हिंदी साहित्य की भूमिका	– आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी
5	हिंदी साहित्य का अतीत (भाग 1, 2)	– आचार्य विश्वनाथ प्रसाद मिश्र
6	हिंदी साहित्य का इतिहास	– आचार्य रामचंद्र शुक्ल
7	हिंदी साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास	– आचार्य रामकुमार वर्मा
8	हिंदी साहित्य का इतिहास (नवीन संस्करण)	– डॉ0 नगेंद्र (संपा0)
9	हिंदी साहित्य का वैज्ञानिक इतिहास (दो खंड)	– डॉ0 गणपति चंद्र गुप्त
10	रासो विमर्श	– माता प्रसाद गुप्त
11	हिंदी साहित्य का इतिहास	– विजयेंद्र स्नातक
12	हिंदी साहित्य का प्रवृत्तिपरक इतिहास (खंड 1, 2)	– राम प्रसाद मिश्र
13	हिंदी साहित्य का दूसरा इतिहास	– डॉ0 बच्चन सिंह
14	हिंदी साहित्य और संवेदना का विकास	– डॉ0 रामस्वरूप चतुर्वेदी
15	आधुनिक हिंदी साहित्य का दूसरा इतिहास	– डॉ0 बच्चन सिंह
16	आधुनिक हिंदी कविता	– डॉ0 हरदयाल
17	दक्खिनी साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास	– डॉ0 इकबाल सिंह
18	हिंदी साहित्य की विश्वयात्रा	– सुरेश ऋतुपर्ण (संपा0)
19	हिंदी साहित्य का आदिकाल	– आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी
20	हिंदी साहित्य के इतिहास की समस्याएँ	– डॉ0 अवधेश प्रधान
21	भारतीय साहित्य के इतिहास की समस्याएँ	– रामविलास शर्मा
22	आधुनिकता और हिंदी साहित्य	– इंद्रनाथ मदान
23	आधुनिक हिंदी साहित्य का इतिहास	– डॉ0 बच्चन सिंह
24	हिंदी नवजागरण और संस्कृति	– शंभुनाथ
25	हिंदी वाङ्मय बीसवीं शती	– डॉ0 नगेंद्र (संपा0)
26	स्वातंत्र्योतर हिंदी साहित्य	– बेचन
27	हिंदी साहित्य का अतीत (भाग–1 व 2)	– विश्वनाथ प्रसाद मिश्र
28	बीसवी शताब्दी का हिंदी साहित्य	– विजय मोहन सिंह
29	भारतीय साहित्य की भूमिका	– रामविलास शर्मा
30	आधुनिक साहित्य की प्रवृत्तियाँ	– डॉ० नामवर सिंह
31	छायावाद	– डॉ० नामवर सिंह
32	हिंदी साहित्य का वस्तुनिष्ठ इतिहास	– कुसुम राय
33	हिंदी उपन्यास का इतिहास	– गोपाल राय
34	हिंदी गद्य साहित्य	– डॉ० राम चंद्र तिवारी
35	रस्साकशी	– डॉ0 वीर भारत तलवार

सेमेस्टर प्रथम (पाठ्यक्रम द्वितीय)
प्राचीन एवं पूर्व मध्यकालीन काव्य

(इस पाठ्यकम में रचनाओं के साथ–साथ, इस समयावधि के रचनाकर्म, उसकी विशिष्टताओं पर व्यापक चर्चा एवं समीक्षा की जानी अपेक्षित है।)

इकाई 1. पद्मावती समय – चंदबरदायी, संपादकः हजारी प्रसाद द्विवेदी एवं नामवर सिंह।

इकाई 2. कबीर ग्रंथावली – कबीर, संपादक, डॉ0 श्यामसुंदर दास–50 साखियाँ (प्रारंभिक)
पद्मावत – मलिक मुहम्मद जायसी, संपादक–आचार्य रामचंद्र शुक्ल
(नागमती वियोग खंड)।

इकाई 3. सूरदास – भ्रमरगीत सार – संपादक – आचार्य रामचंद्र शुक्ल
7, 8, 23, 29, 30, 41, 42, 52, 57, 64, 69, 70, 85, 90, 94, 97, 101, 104, 105, 116, 134, 136, 143, 155, 166, 186, 194, 210, 220, 221।

इकाई 4 तुलसीदास : रामचरित मानस, गीता प्रेस (उत्तरकांड के दोहा सं० 40 तक)

इकाई 5 **द्रुतपाठ :–**
विद्यापति, अमीर खुसरो, नानक, गोरखनाथ, मीराबाई, रैदास, कुंभनदास।

द्रुतपाठ के लिए चयनित रचनाकारों में से लघु उत्तरीय/अति लघुउत्तरीय प्रश्न पूछे जाएंगे, जो उनके जीवन परिचय तथा रचना से संबंधित सामान्य प्रश्न होंगे। निबंधात्मक प्रश्न द्रुतपाठ के लिए चयनित रचनाकारों में से नहीं पूछे जाएंगे।

व्याख्या	–	2 X 7 $^{1}/_{2}$	= 15 अंक
निबंधात्मक प्रश्न	–	1 X 15	= 15 अंक
लघु उत्तरीय प्रश्न	–	5 X 2	= 10 अंक
अति लघु उत्तरीय प्रश्न	–	10 X 1	= 10 अंक
योग			= **50 अंक**

नोट 1 :– व्याख्याएं चंदबरदायी, कबीर, जायसी, सूरदास एवं तुलसीदास के चयनित काव्य में से पूछी जाएगी। निबंधात्मक प्रश्न उक्त कवियों पर आधारित होंगे।
2 :– लघु उत्तरीय प्रश्नों का उत्तर अधिकतम 200 शब्दों में तथा अति लघु उत्तरीय प्रश्नों का उत्तर अधिकतम 100 शब्दों में लिखना होगा। अति लघु उत्तरीय प्रश्नों में बहुविकल्पीय तथा सत्य–असत्य पर आधारित प्रश्न नहीं पूछे जाएंगे।

संदर्भ ग्रंथ :– प्राचीन एवं पूर्व मध्यकालीन काव्य

1	चंदबरदायी और उनका काव्य	– डॉ0 विपिन बिहारी त्रिवेदी
2	पृथ्वीराज रासो का अध्ययन	– डॉ0 विजय कुलश्रेष्ठ
3	पृथ्वीराज रासो की भाषा	– डॉ0 नामवर सिंह
4	कबीर	– हजारी प्रसाद द्विवेदी
5	कबीर : एक नई दृष्टि	– डॉ0 रघुवंश
6	कबीर का रहस्यवाद	– डॉ0 रामकुमार वर्मा
7	कबीर का रहस्यवाद	– आचार्य परशुराम चतुर्वेदी
8	जायसी ग्रंथावली	– आयार्च रामचंद्र शुक्ल (भूमिका भाग) (संपा0)
9	जायसी	– विजय देव नारायण साही
10	पद्मावत में लोक तत्व	– डॉ0 रवींद्र भ्रमर
11	सूर और उनका साहित्य	– डॉ0 हरवंशलाल शर्मा
12	सूर की काव्य कला	– मनमोहन गौतम
13	भ्रमरगीत सार (भूमिका भाग)	– आचार्य रामचंद्र शुक्ल
14	सूर की सांस्कृतिक चेतना और उनका युगबोध	– डॉ0 संतराम वैश्य
15	तुलसीदास	– आचार्य रामचंद्र शुक्ल
16	गोसाईं तुलसीदास	– आचार्य विश्वनाथ प्रसाद मिश्र
17	तुलसीदास और उनका युग	– डॉ0 राजपत दीक्षित
18	तुलसी काव्य मीमांसा	– डॉ0 उदय भानु सिंह
19	दोहा कोश	– राहुल सांकृत्यायन
20	सिद्ध साहित्य	– डॉ0 धर्मवीर भारती
21	सरहपा और कबीर	– कौशलेंद्र पांडे
22	विद्यापति	– डॉ0 शिवप्रसाद सिंह
23	विद्यापति	– डॉ0 आनंद प्रकाश दीक्षित
24	विद्यापति	– प्रो0 जनार्दन मिश्र
25	नंददास : जीवन और काव्य	– भवानी दत्त उप्रेती
26	नंददास उनका जीवन और काव्य	– सावित्री अवस्थी
27	युग प्रवर्तक संत गुरू रविदास	– पृथ्वी सिंह आजाद
28	संत रैदास : कृतित्व, जीवन और विचार	– योगेंद्र सिंह
29	रहीम और उनका काव्य	– डॉ0 देशराज सिंह भाटी
30	हिंदी के प्राचीन प्रतिनिधि कवि	– डॉ0 द्वारिका प्रसाद सक्सेना
31	हिंदी संत काव्यों में परंपरा और प्रयोग	– डॉ0 भगवान देव पांडेय
32	संतो राह दुऔ हम दीठा	– डॉ0 भगवान देव पांडेय (संपा0)
33	आदिकालीन हिंदी साहित्य शोध	– हरीश
34	कबीर एक अनुशीलन	– डॉ0 रामकुमार वर्मा
35	महाकवि तुलसीदास और युग संदर्भ	– भगीरथ मिश्र
36	कबीर	– विजयेंद्र स्नातक
37	अमीर खुसरो का हिंदी काव्य	– गोपीचंद नारंग
38	संत रैदास	– पद्मावती झुनझुनवाला
39	मीरा ग्रंथावली	– विद्या निवास मिश्र, गोविंद रजनीश (संपा0)
40	तुलसी संदर्भ	– डॉ0 नगेंद्र
41	भक्ति आंदोलन और सूरदास का काव्य	– प्रो0 मैनेजर पांडेय
42	तुलसी आधुनिक वातायन से	– रमेश कुंतल
43	लोकवादी तुलसी	– विश्वनाथ त्रिपाठी

सेमेस्टर प्रथम (पाठ्यक्रम तृतीय)
नाटक और रंगमंच

इकाई 1

नाटक तथा रंगमंच का स्वरूप।

नाट्य भेद– रूपक–उपरूपकों के भेद (सामान्य परिचय)

इकाई 2

नाट्य विधान : भारतीय एवं पाश्चात्य दृष्टि से नाट्य तत्वों का विस्तृत विवेचन।

रंगमंच के प्रकार, रंगशिल्प, रंग संप्रेषण के विविध घटक (मूर्त एवं अमूर्त)

रंगमंच–लोक नाट्य (व्यावसायिक, अव्यावसायिक), पारसी, प्रमुख सरकारी गैर सरकारी रंग संस्थाएँ, नुक्कड़ नाटक।

नाटकों का अध्ययन

इकाई 3	1.	भारत दुर्दशा	–	भारतेंदु हरिश्चंद्र
	2.	चन्द्रगुप्त	–	जयशंकर प्रसाद
इकाई 4	3.	आषाढ़ का एक दिन	–	मोहन राकेश
	4.	अंधायुग	–	धर्मवीर भारती
इकाई 5	**एकांकी**			
	प्रकाश और परछाई		–	विष्णु प्रभाकर

दुतपाठ :–

रामकुमार वर्मा, लक्ष्मी नारायण लाल, उदयशंकर भट्ट, जगदीशचंद्र माथुर, सुरेंद्र वर्मा, शंकर शेष, हबीब तनवीर।

दुतपाठ के लिए चयनित रचनाकारों में से लघु उत्तरीय/अति लघुउत्तरीय प्रश्न पूछे जाएंगे। जो उनके जीवन परिचय तथा रचना से संबंधित सामान्य प्रश्न होंगे। निबंधात्मक प्रश्न दुतपाठ के लिए चयनित रचनाकारों में से नहीं पूछे जाएंगे।

व्याख्या	–	2 x 7 $^{1}/_{2}$	= 15 अंक
निबंधात्मक प्रश्न	–	1 x 15	= 15 अंक
लघु उत्तरीय प्रश्न	–	5 x 2	= 10 अंक
अति लघु उत्तरीय प्रश्न	–	10 x 1	= 10 अंक
योग			= **50 अंक**

नोट 1 :– इकाई 01, 02 एवं 05 से निबंधात्मक प्रश्न पूछे जाएंगे। इकाई 03 एवं 04 से व्याख्या एवं निबंधात्मक प्रश्न पूछे जाएंगे।

2 :– लघु उत्तरीय प्रश्नों का उत्तर अधिकतम 200 शब्दों में तथा अति लघु उत्तरीय प्रश्नों का उत्तर अधिकतम 100 शब्दों में लिखना होगा। अति लघु उत्तरीय प्रश्नों में बहुविकल्पीय तथा सत्य–असत्य पर आधारित प्रश्न नहीं पूछे जाएंगे।

संदर्भ ग्रंथ :– नाटक और रंगमंच

01	एक कंठ विषपायी	– दुष्यंत कुमार
02	सत्य हरिश्चंद्र	– भारतेंदु हरिश्चंद्र
03	कोणार्क	– जगदीश चंद्र माथुर
04	आठवां सर्ग	– सुरेंद्र वर्मा
05	चरनदास चोर	– हबीब तनवीर
06	संशय की एक रात	– नरेश मेहता
07	बकरी	– सर्वेश्वर दयाल सक्सेना
08	अंधेर नगरी	– भारतेंदु हरिश्चंद्र
09	स्कंदगुप्त	– जयशंकर प्रसाद
10	आषाढ़ का एक दिन	– मोहन राकेश
11	अंधायुग	– धर्मवीर भारती
12	प्रकाश और परछाई	– विष्णु प्रभाकर
13	प्रसाद के नाटकों का शास्त्रीय अध्ययन	– डॉ0 जगन्नाथ प्रसाद शर्मा
14	प्रसाद का नाट्य कर्म	– डॉ0 सत्येंद्र कुमार तनेजा
15	प्रसाद के नाटक : स्वरूप और संरचना	– गोविंद चातक
16	हिंदी के प्रतिनिधि एकांकीकार	– डॉ0 द्वारिका प्रसाद सक्सेना
17	हिंदी एकांकी : समग्र अध्ययन	– डॉ0 अब्दुर्रशीद ए0 शेख
18	आधुनिक हिंदी नाटक और रंगमंच	– लक्ष्मीनारायण लाल
19	नाट्य विमर्श	– नर नारायण राय
20	स्तानिस्लव्सकी – भूमिका की तैयारी	– आचार्य विश्वनाथ मिश्र
21	स्तानिस्लव्सकी – भूमिका की संरचना	– आचार्य विश्वनाथ मिश्र
22	स्तानिस्लव्सकी – रचना की प्रक्रिया	– आचार्य विश्वनाथ मिश्र
23	भारतीय नाट्य रंगमंच	– आचार्य विश्वनाथ मिश्र
24	हिंदी नाटक : आज और कल	– वीणा गौतम
25	भारतीय और पाश्चात्य नाट्य सिद्धांत	– डॉ0 विश्वनाथ मिश्र
26	गीति नाट्य सिद्धांत और समीक्षा	– डॉ0 शिवशंकर कटारे
27	नाटक का रंग विधान	– डॉ0 विश्वनाथ मिश्र
28	मोहन राकेश और उनके नाटक	– डॉ0 पट्टण शेट्टी
29	एकांकी और एकांकीकार	– रामचरण महेंद्र
30	हिंदी नाटक आज और कल	– जयदेव तनेजा
31	राष्ट्रीय नवजागरण और प्रसाद के नाटक	– डॉ0 इंदुमति सिंह
32	नाटक का समाजशास्त्र	– वी0डी0 गुप्ता
33	हिंदी नाटक में समसामयिक परिवेश	– विपिन गुप्त
34	हिंदी नाटक नई दिशाएं नए प्रश्न	– गिरीश रस्तोगी
35	मोहन राकेश और उनके नाटक	– गिरीश रस्तोगी
36	हिंदी नाटक एवं रंगमंच	– सं0 नेमिचंद्र जैन
37	प्रसाद के नाटक	– सिद्धनाथ कुमार
38	हिंदी नाटक : उद्भव और विकास	– डॉ0 दशरथ ओझा
39	नाटक के रंगमंचीय प्रतिमान	– डॉ0 वशिष्ठ नारायण त्रिपाठी

सेमेस्टर प्रथम (पाठ्यक्रम चतुर्थ)
प्रयोजनमूलक हिंदी

इकाई 1 **कामकाजी हिंदी** : हिंदी के विभिन्न रूप–सर्जनात्मक भाषा, संचार भाषा, राज भाषा, संपर्क भाषा, मातृभाषा, कार्यालयी हिंदी (राजभाषा) के प्रमुख प्रकार्य : प्रारूपण, पत्र लेखन, टिप्पण, संक्षेपण, पल्लवन।

इकाई 2 जनसंचार माध्यमों में हिंदी लेखन, रिपोर्ट–लेखन, संपादकीय, अग्रलेख, लघु टिप्पणियाँ।

इकाई 3 फीचर लेखन, विविध दैनिकों, रेडियो चैनलों, इंटरनेट, मोबाइल, फिल्मों, टीवी चैनलों में प्रयुक्त हिंदी का स्वरूप, जनसंपर्क एवं विज्ञापनों में हिंदी।

इकाई 4 **हिंदी कंप्यूटिंग**

कंप्यूटर : परिचय, रूपरेखा, उपयोग तथा क्षेत्र, वेब–पब्लिशिंग का परिचय।

इंटरनेट संपर्क उपकरणों का परिचय, प्रकार्यात्मक रख–रखाव एवं इंटरनेट समय मितव्ययता के सूत्र, इंटरनेट एक्सप्लोरर अथवा नेटस्केप, लिंक, ब्राउजिंग, ई–मेल भेजना/प्राप्त करना, डिजीटल टैक्नॉलोजी।

इकाई 5 **अनुवाद**

अनुवाद का स्वरूप, क्षेत्र, प्रक्रिया एवं प्रविधि, कार्यालयी वैज्ञानिक–तकनीकी परिभाषिक शब्दावली हिंदी और अनुवाद।

अनुवाद के अन्य क्षेत्र : वाणिज्यिक, वैज्ञानिक, तकनीकी, प्रौद्योगिकी, विधि, साहित्य, कार्यालयी।

निबंधात्मक प्रश्न 2 x 15	= 30 अंक
लघु उत्तरीय प्रश्न 5 x 2	= 10 अंक
अति लघु उत्तरीय प्रश्न 10 x 1	= 10 अंक
योग	**= 50 अंक**

नोट :– लघु उत्तरीय प्रश्नों का उत्तर अधिकतम 200 शब्दों में तथा अति लघु उत्तरीय प्रश्नों का उत्तर अधिकतम 100 शब्दों में लिखना होगा। अति लघु उत्तरीय प्रश्नों में बहुविकल्पीय तथा सत्य–असत्य पर आधारित प्रश्न नहीं पूछे जाएंगे।

संदर्भ ग्रंथ :– प्रयोजनमूलक हिंदी

1	प्रयोजनमूलक हिंदी	– विनोद गोदरे
2	प्रयोजनमूलक हिंदी : सिद्धांत और प्रयोग	– दंगल झाल्टे
3	टिप्पणी प्रारूप	– शिवनारायण चतुर्वेदी
4	प्रालेखन प्रारूप	– शिवनारायाण चतुर्वेदी
5	राजभाषा विविधा	– माणिक मृगेश
6	व्यावसायिक हिंदी	– रहमतुल्लाह
7	पत्र–व्यवहार निर्देशिका	– भोलानाथ तिवारी, विजय कुलश्रेष्ठ
8	प्रारूपण, टिप्पण और प्रूफ पठन	– भोलानाथ तिवारी
9	व्यावहारिक हिंदी और स्वरूप	– कृष्ण कुमार गोस्वामी
10	प्रयोजनमूलक हिंदी	– (संपा0) कृष्ण कुमार गोस्वामी
11	अनुवाद सिद्धांत की रूपरेखा	– सुरेश कुमार
12	भाषा और प्रौद्योगिकी	– (संपा0) गिरिराज किशोर
13	व्यावसायिक हिंदी	– डॉ0 प्रेमचंद पातंजलि
14	संप्रेषण एवं बैंकिंग व्यवस्था	– डॉ0 सुभाष गौड़
15	अनुवाद प्रक्रिया	– डॉ0 रीता रानी पालीवाल
16	व्यावहारिक हिंदी	– कैलाशचंद्र भाटिया
17	बैंकों में प्रयोजनशील हिंदी	– अनिल कुमार तिवारी
18	व्यावसायिक हिंदी	– डॉ0 ओम प्रकाश सिंहल
19	साधारण बीमा व्यवसाय में हिंदी का प्रयोग	– श्रीराम मुंढे
20	कंप्यूटर और हिंदी	– डॉ0 हरिमोहन
21	कार्यालय कार्यबोध	– हरिबाबू कंसल
22	व्यावहारिक हिंदी	– डॉ0 लक्ष्मीकांत पांडेय
23	संक्षेपण और विस्तारण	– कैलाशचंद्र भाटिया
24	प्रयोजनमूलक हिंदी	– रघुनंदन प्रसाद शर्मा
25	प्रयोजनमूलक हिंदी : संरचना एवं अनुप्रयोग	– डॉ0 रामप्रकाश/डॉ0 दिनेश गुप्त
26	प्रशासनिक हिंदी	– डॉ0 ओम प्रकाश
27	प्रयोजनमूलक व्यावहारिक हिंदी	– डॉ ओम प्रकाश सिंहल
28	अनुवाद की व्यावहारिक समस्याएं	– भोलानाथ तिवारी/ओमप्रकाश गाबा
29	राजभाषा हिंदी	– डॉ0 कैलाशचंद्र भाटिया
30	सरकारी कार्यालयों में हिंदी का प्रयोग	– गोपीनाथ श्रीवास्तव
31	प्रशासनिक कार्यालय की हिंदी	– डॉ0 रामप्रकाश/डॉ0 दिनेश कुमार गुप्त
32	व्यावहारिक हिंदी	– डॉ0 रवींद्रनाथ/डॉ0 भोलानाथ तिवारी
33	व्यावहारिक हिंदी पत्राचार	– डॉ0 दंगल झाल्टे
34	प्रयोजनमूलक हिंदी	– कमल कुमार बोस
35	हिंदी की मानक वर्तनी	– कैलाश चंद्र भाटिया/रचना भाटिया
36	हिंदी कार्मिकी	– डॉ0 शंकर शेष, डॉ0 कंचन शर्मा
37	भाषा और प्रौद्योगिकी	– विनोद कुमार प्रसाद
38	नई पत्रकारिता और समाचार लेखन	– सविता चड्ढा
39	पत्रकारिता के सिद्धांत	– रमेश चंद्र त्रिपाठी
40	समाचार माध्यम : संगठन एवं प्रबंध	– संजीव भानावत
41	प्रशासनिक हिंदी : टिप्पण प्रारूपण एवं पत्र लेखन	– डॉ0 हरिमोहन
42	हिंदी पत्रकारिता : दशा और दिशा	– डॉ0 कैलाश नारद
43	आधुनिक जनसंचार और हिंदी	– डॉ0 हरिमोहन
44	राजभाषा हिंदी	– डॉ0 कैलाश चंद्र भाटिया
45	नई पत्रकारिता और समाचार लेखन	– सविता चड्ढा
46	आधुनिक जनसंचार और हिंदी	– डॉ0 हरिमोहन
47	इलैक्ट्रॉनिक मीडिया	– टी0डी0एस0 आलोक
48	प्रयोजनमूलक कामकाजी हिंदी	– कैलाश चंद्र भाटिया
49	रेडियो और दूरदर्शन पत्रकारिता	– डॉ0 हरिमोहन
50	जनसंचार माध्यमों में हिंदी	– चंद्र कुमार
51	संचार माध्यमों का वैचारिक परिप्रेक्ष्य	– जवरीमल्ल पारख
52	कंप्यूटर के भाषिक अनुप्रयोग	– विजय कुमार मल्होत्रा
53	संपादन कला	– (संपा0) के0 सी0 नारायण
54	अनुवाद कला	– डॉ0 एन0ई0 विश्वनाथ अय्यर
55	आधुनिक विज्ञापन	– प्रेमचंद पातंजलि
56	संपादन कला एवं प्रूफ पठन	– डॉ0 हरिमोहन
57	आधुनिक जनसंचार और हिंदी	– डॉ0 हरिमोहन
58	भारतीय प्रसारण माध्यम	– डॉ0 कृष्ण कुमार रत्तू

सेमेस्टर प्रथम (पाठ्यक्रम पंचम)

सामान्य हिंदी

गैर हिंदी स्नातकोत्तर कक्षाओं के विद्यार्थियों के लिए पाठ्यक्रम

इकाई 1

हिंदी व्याकरण

संज्ञा, सर्वनाम, विशेषण, क्रिया, क्रिया विशेषण, पुरूष, वचन, लिंग, कारक, उपसर्ग, प्रत्यय, संधि, समास, शब्द प्रयोग – पर्यायवाची, विलोम, अनेकार्थी शब्द, लोकोक्ति एवं मुहावरे, वाक्यांश के लिए एक शब्द

इकाई 2

अनुवाद

अनुवाद का स्वरूप, क्षेत्र, प्रक्रिया एवं प्रविधि, कार्यालयी हिन्दी और अनुवाद।

अनुवाद का अन्य क्षेत्र : वाणिज्यिक, वैज्ञानिक, तकनीकी, प्रौद्योगिकी, विधि, साहित्य, कार्यालयी।

इकाई 3

हिंदी भाषा एवं साहित्य का परिचयात्मक अध्ययन –

बोली, भाषा, ध्वनि, शब्द, अर्थ, पद, वाक्य,

साहित्यिक विधाएं – कविता, उपन्यास, कहानी, नाटक, निबन्ध, संस्मरण, रिर्पोताज, रेखाचित्र, डायरी, यात्रावृतान्त, आत्मकथा, जीवनी, समीक्षा आदि

इकाई 4

कामकाजी हिन्दी

हिंदी के विभिन्न रूप–सर्जनात्मक भाषा, मानक भाषा, संचार भाषा, राज भाषा, संपर्क भाषा, मातृ भाषा, कार्यालयी हिंदी (राजभाषा) के प्रमुख प्रकार्य : प्रारूपण, पत्र लेखन, टिप्पण, संक्षेपण, पल्लवन।

इकाई 5

जनसंचार माध्यमों में हिंदी लेखन

रिपोर्ट लेखन, संपादकीय, अग्रलेख, लघु टिप्पणियाँ। फीचर लेखन, विविध दैनिकों, रेडियो चैनलों, इंटरनेट, मोबाइल, फिल्मों, टीवी चैनलों में प्रयुक्त हिन्दी का स्वरूप, जनसंपर्क एवं विज्ञापनों में हिन्दी।

निबंधात्मक प्रश्न 4 x 15	= 60 अंक
लघु उत्तरीय प्रश्न 5 x 4	= 20 अंक
अति लघु उत्तरीय प्रश्न 10 x 2	= 20 अंक
योग	**=100 अंक**

नोट :– लघु उत्तरीय प्रश्नों का उत्तर अधिकतम 200 शब्दों में तथा अति लघु उत्तरीय प्रश्नों का उत्तर अधिकतम 100 शब्दों में लिखना होगा। अति लघु उत्तरीय प्रश्नों में बहुविकल्पीय तथा सत्य–असत्य पर आधारित प्रश्न नहीं पूछे जाएंगे।

सेमेस्टर द्वितीय (पाठ्यक्रम प्रथम)

उत्तर मध्यकालीन काव्य

(इस पाठ्यकम में रचनाओं के साथ–साथ, इस समयावधि के रचनाकर्म, उसकी विशिष्टताओं पर व्यापक चर्चा एवं समीक्षा की जानी अपेक्षित है।)

इकाई 1	(बिहारी रत्नाकर, संपा0 जगन्नाथ दास रत्नाकर) बिहारी	40 प्रारंभिक दोहे
इकाई 2	(घनानंद कवित्त, संपा0 विश्वनाथ प्रसाद मिश्र) घनानंद	25 प्रारंभिक कवित्त
इकाई 3	(रामचंद्रिका) केशवदास	25 प्रारंभिक छंद
इकाई 4	(भूषण ग्रंथावली, संपा0 डॉ0 भगीरथ दीक्षित) भूषण	15 प्रारंभिक छंद
इकाई 5	**दुतपाठ**	

देव, रसखान, सेनापति, पद्माकर, मतिराम, गिरधर कविराय, गुरू गोविंद सिंह।

दुतपाठ के लिए चयनित रचनाकारों में से लघु उत्तरीय/अति लघुउत्तरीय प्रश्न पूछे जाएंगे, जो उनके जीवन परिचय तथा रचना से संबंधित प्रश्न होंगे। निबंधात्मक प्रश्न दुतपाठ के लिए चयनित रचनाकारों में से नहीं पूछे जाएंगे।

व्याख्या	–	2 X 7 $^{1}/_{2}$	= 15 अंक
निबंधात्मक प्रश्न	–	1 X 15	= 15 अंक
लघु उत्तरीय प्रश्न	–	5 X 2	= 10 अंक
अति लघु उत्तरीय प्रश्न	–	10 X 1	= 10 अंक
योग			= **50 अंक**

<u>नोट 1 :–</u> व्याख्याएँ बिहारी, घनानंद, केशवदास एवं भूषण के चयनित काव्य में से ही पूछी जाएंगी। निबंधात्मक प्रश्न उक्त कवियों पर आधारित होंगे।

2 :– लघु उत्तरीय प्रश्नों का उत्तर अधिकतम 200 शब्दों में तथा अति लघु उत्तरीय प्रश्नों का उत्तर अधिकतम 100 शब्दों में लिखना होगा। अति लघु उत्तरीय प्रश्नों में बहुविकल्पीय तथा सत्य–असत्य पर आधारित प्रश्न नहीं पूछे जाएंगे।

संदर्भ सूची :– उत्तर मध्यकालीन काव्य

1	संक्षिप्त भूषण	– भगवान दास तिवारी
2	हिंदी रीति साहित्य	– भगीरथ मिश्र
3	मध्यकालीन हिंदी मुक्तक : उद्‌भव और विकास	– जितेंद्रनाथ पाठक
4	देव के काव्य में अभिव्यक्ति विधान एवं समस्त संदर्भ ग्रंथ	– राज बुद्धिराजा
5	रीति साहित्य की भूमिका	– डॉ0 नगेंद्र
6	बिहारी रत्नाकर	– बिहारी
7	घनानंद कवित्त	– विश्वनाथ प्रताप मिश्र (संपा0)
8	रामचंद्रिका	– केशवदास
9	मतिराम ग्रंथावली	– मतिराम
10	शिवा बावनी	– भूषण
11	बिहारी की वाग्विभूति	विश्वनाथ प्रताप मिश्र
12	बिहारी : नया मूल्यांकन	– बच्चन सिंह
13	मीरा का काव्य	– विश्वनाथ त्रिपाठी
14	घनानंद : काव्य और आलोचना	– किशोरी लाल
15	केशव का आचार्यत्व	– डॉ0 विजयपाल सिंह
16	आचार्य केशवदास	– हीरालाल दीक्षित
17	बिहारी का नया मूल्यांकन	– डॉ0 बच्चन सिंह
18	घनानंद और स्वच्छंद काव्यधारा	– डॉ0 मनोहरलाल गौड़
19	रीतिकालीन कवियों की प्रेमव्यंजना	– डॉ0 बच्चन सिंह
20	पद्‌माकर	– आचार्य विश्वनाथ प्रसाद मिश्र
21	महाकवि मतिराम	– डॉ0 त्रिभुवन सिंह
22	रीतिकालीन काव्य सिद्धांत	– डॉ0 सूर्यनारायण द्विवेदी
23	हिंदी साहित्य का इतिहास	– आचार्य रामचंद्र शुक्ल
24	रसखान रचनावली : विश्वनाथ प्रसाद मिश्र	– विद्यानिवास मिश्र (संपा0)
25	पद्‌माकर कवि	– शुकदेव दुबे
26	देव के काव्य में अभिव्यक्ति विधान	– राज बुद्धिराजा
27	भक्ति काव्य : स्वरूप और संवेदना	– डॉ0 रामनारायण शुक्ल
28	घनानंद का काव्य	– डॉ0 रामदेव शुक्ल
29	रसखान काव्य और आलोचना	– ब्रजभूषण सावलिया
30	बिहारी अनुशीलन	– डॉ0 सरोज गुप्ता
31	पद्‌माकर की काव्यभाषा का शैलीवैज्ञानिक अध्ययन	– डॉ0 ओंकार नाथ द्विवेदी
32	रीतिमुक्त कवियों का सौदर्यशास्त्रीय अध्ययन	– डॉ0 लक्ष्मण प्रसाद शर्मा
33	सामंती परिवेश और बिहारी का काव्य	– रामदेव शुक्ल

सेमेस्टर द्वितीय (पाठ्यक्रम द्वितीय)

कथा–साहित्य

इकाई 1 उपन्यास एवं कहानी का इतिहास, स्वरूप, उद्भव एवं विकास।

इकाई 2
1. गोदान – प्रेमचंद
2. मैला आंचल – फणीश्वर नाथ 'रेणु'

इकाई 3
1. बाणभट्ट की आत्मकथा – हजारी प्रसाद 'द्विवेदी'
2. शेखर : एक जीवनी – अज्ञेय

इकाई 4 **हिंदी कहानी**

चंद्रधर शर्मा गुलेरी (उसने कहा था), जयशंकर प्रसाद (आकाशदीप), प्रेमचंद (कफन), निर्मल वर्मा (परिंदे), अमरकांत (दोपहर का भोजन), उषा प्रियंवदा (वापसी), से0 रा0 यात्री (टापू पर अकेले)।

इकाई 5 **द्रुतपाठ**

अमृतलाल नागर, शैलेश मटियानी, कृष्णा सोबती, काशीनाथ सिंह, मैत्रेयी पुष्पा, चित्रा मुद्गल, मन्नू भंडारी।

द्रुतपाठ के लिए चयनित रचनाकारों में से लघु उत्तरीय/अति लघुउत्तरीय प्रश्न पूछे जाएंगे, जो उनके जीवन परिचय तथा रचना से संबंधित प्रश्न होंगे। निबंधात्मक प्रश्न द्रुतपाठ के लिए चयनित रचनाकारों में से नहीं पूछे जाएंगे।

व्याख्याएँ	–	2 x 7 $^{1}/_{2}$	=	15 अंक
निबंधात्मक प्रश्न	–	1 x 15	=	15 अंक
लघु उत्तरीय प्रश्न	–	5 x 2	=	10 अंक
अति लघु उत्तरीय प्रश्न	–	10 x 1	=	10 अंक
योग	–		=	**50 अंक**

<u>नोट 01 :–</u> व्याख्याएँ इकाई संख्या 02, 03 एवं 04 से ही पूछी जाएंगी। निबंधात्मक प्रश्न इकाई संख्या 01, 02, 03 एवं 04 से पूछे जाएंगे।

02 :– लघु उत्तरीय प्रश्नों का उत्तर अधिकतम 200 शब्दों में तथा अति लघु उत्तरीय प्रश्नों का उत्तर अधिकतम 100 शब्दों में लिखना होगा। अति लघु उत्तरीय प्रश्नों में बहुविकल्पीय तथा सत्य–असत्य पर आधारित प्रश्न नहीं पूछे जाएंगे।

संदर्भ सूची :– कथा–साहित्य

1. गोदान – प्रेमचंद
2. मैला आंचल – फणीश्वर नाथ 'रेणु'
3. बाणभट्ट की आत्मकथा – हजारी प्रसाद 'द्विवेदी'
5. राग दरबारी – श्रीलाल शुक्ल
6. आँवा – चित्रा मुद्गल
7. बूँद और समुंद्र – अमृतलाल नागर
8. उसने कहा था (संग्रह –) – चंद्रधर शर्मा गुलेरी
9. पुरस्कार (संग्रह –) – जयशंकर प्रसाद
10. कफन (संग्रह –) – प्रेमचंद
11. पत्नी (संग्रह –) – जैनेंद्र
12. परिंदे (संग्रह –) – निर्मल वर्मा
13. वापसी (संग्रह –) – उषा प्रियंवदा
14. कथाकार प्रेमचंद – मन्मनाथ गुप्त
15. प्रेमचंद – डॉ0 सत्येंद्र
16. प्रेमचंद – (संपादक) सुरेश चंद्र त्यागी
17. गोदान (पुनर्मूल्यांकन) – गोपाल राय
18. हिंदी उपन्यास : एक अंतर्यात्रा – डॉ0 रामदरश मिश्र
19. हिंदी उपन्यास : समकालीन विमर्श – डॉ0 सत्यदेव त्रिपाठी
20. राष्ट्रीय आंदोलन और हिंदी उपन्यास – डॉ0 तेज सिंह
21. भारतीय स्वतंत्रता और हिंदी उपन्यास – डॉ0 शशि भूषण सिंघल
22. हजारी प्रसाद द्विवेदी के उपन्यासों का नवमूल्यांकन – डॉ0 उदयवीर शर्मा
23. उपन्यासों का उदय – डॉ0 धर्मपाल सरीन
24. मूल्य और हिंदी उपन्यास – डॉ0 हेमराज कौशिक
25. उपन्यास : स्वरूप और संवेदना – राजेंद्र यादव
26. गोदान – राजेश्वर गुप्ता
27. हिंदी उपन्यास की प्रवृत्तियाँ – डॉ0 शशि भूषण सिंघल
28. रागदरबारी : कृति से साक्षात्कार – डॉ0 चंद्र प्रकाश मिश्र
29. रागदरबारी का शैली वैज्ञानिक अध्ययन – डॉ0 राधा दीक्षित
30. उपन्यास : स्थिति और गति – चंद्रकांत बांदिवडेकर
31. हिंदी उपन्यास का इतिहास – गोपाल राय
32. हिंदी उपन्यास – डॉ0 शिवनारायण श्रीवास्तव
33. कहानी : नई कहानी – डॉ0 नामवर सिंह
34. नई कहानी : संदर्भ और प्रकृति – देवीशंकर अवस्थी (संपा0)
35. कहानी आंदोलन की भूमिका – डॉ0 बलराज पांडेय
36. प्रेमचंदोत्तर उपन्यासों में प्रगतिशीलता – निर्मल कुमारी वार्ष्णेय
37. गोदान : नया परिप्रेक्ष्य – डॉ0 गोपाल राय
38. हिंदी उपन्यास : पहचान और परख – इंद्रनाथ मदान (संपा0)
39. आधुनिक हिंदी कथा–साहित्य मूल्यों से प्रयाण – शकुंतला सिन्हा
40. गोदान : आलोचना और आलोचना – डॉ0 इंद्रनाथ मदान
41. आज की कहानी – विजयमोहन सिंह
42. कहानी : स्वरुप और संवेदना – राजेंद्र यादव
43. हिंदी उपन्यास : 1950 के बाद – नित्यानंद तिवारी
44. उपन्यास स्थिति और गति – डॉ0 चंद्रकांत वांदिवडेकर
45. आधुनिक हिंदी उपन्यास : सृजन और आलोचना – डॉ0 चंद्रकांत वांदिवडेकर
46. कहानी पाठ और प्रक्रिया – सुरेंद्र चौधरी
47 आधुनिक हिंदी उपन्यास – सं० भीष्म सहानी/डॉ० रामजी मिश्र
48 आधुनिकता और हिंदी उपन्यास – इंद्रनाथ मदान
49 आधुनिकता एवं सृजनात्मक साहित्य – इंद्रनाथ मदान
50 इक्कीसवी सदी का हिंदी उपन्यास – पुष्पपाल सिंह
51 आलोचनात्मक यथार्थवाद और प्रेमचंद – प्रो० सत्यकाम

सेमेस्टर द्वितीय (पाठ्यक्रम तृतीय)

कथेतर गद्य साहित्य

इस पाठ्यकम में रचनाओं के साथ–साथ, इस समयावधि के रचनाकर्म, उसकी विशिष्टताओं पर व्यापक चर्चा एवं समीक्षा की जानी अपेक्षित है।

इकाई 1 **निबंध :**

श्रद्धा–भक्ति	–	आचार्य रामचंद्र शुक्ल
कुटज	–	हजारी प्रसाद द्विवेदी
मेरे राम का मुकुट भीग रहा है	–	विद्यानिवास मिश्र
प्रिया नीलकंठी	–	कुबेरनाथ राय

इकाई 2 **व्यंग्य :**

हरिशंकर परसाई	–	इंस्पेक्टर मातादीन चाँद पर
शरद जोशी	–	होना कुछ नहीं का
श्रीलाल शुक्ल	–	कुत्ते और कुत्ते

इकाई 3 **जीवनी :**

आवारा मसीहा – विष्णु प्रभाकर

इकाई 4 घुमक्कड़ शास्त्र – राहुल सांकृत्यायन

इकाई 5 **दुतपाठ :**

सरदार पूर्ण सिंह, महावीर प्रसाद द्विवेदी, रामवृक्ष बेनीपुरी, यशपाल, पांडेय बेचन शर्मा 'उग्र', ओम प्रकाश वाल्मीकि।

दुतपाठ के लिए चयनित रचनाकारों में से लघु उत्तरीय/अति लघुउत्तरीय प्रश्न पूछे जाएंगे, जो उनके जीवन परिचय तथा रचना से संबंधित प्रश्न होंगे। निबंधात्मक प्रश्न दुतपाठ के लिए चयनित रचनाकारों में से नहीं पूछे जाएंगे।

व्याख्या	–	2 x 7 $^{1}/_{2}$	= 15 अंक
निबंधात्मक प्रश्न	–	1 x 15	= 15 अंक
लघु उत्तरीय प्रश्न	–	5 x 2	= 10 अंक
अति लघु उत्तरीय प्रश्न	–	10 x 1	= 10 अंक
योग			**= 50 अंक**

<u>नोट 01 :–</u> व्याख्याएँ इकाई संख्या 01 से 04 तक में से ही पूछी जाएंगी। निबंधात्मक प्रश्न उक्त रचनाकारों पर आधारित होंगे।

02 :– लघु उत्तरीय प्रश्नों का उत्तर अधिकतम 200 शब्दों में तथा अति लघु उत्तरीय प्रश्नों का उत्तर अधिकतम 100 शब्दों में लिखना हेागा। अति लघु उत्तरीय प्रश्नों में बहुविकल्पीय तथा सत्य–असत्य पर आधारित प्रश्न नहीं पूछे जाएंगे।

संदर्भ सूची :– कथेतर गद्य साहित्य

1 आचार्य रामचंद्र शुक्ल – (संपादक) डॉ0 सुरेश चंद त्यागी
2 मेरे प्रिय निबंध – डॉ0 नगेंद्र
3 साहित्य में गद्य की नई विविध विधाएँ – डॉ0 कैलाश चंद भाटिया
4 प्रतिनिधि हिंदी निबंधकार – डॉ0 हरिमोहन
5 निबंधकार हजारी प्रसाद द्विवेदी – उषा सिंघल
6 कन्हैयालाल मिश्र प्रभाकर की साहित्य साधना – ओम प्रकाश नायर
7 कन्हैयालाल मिश्र प्रभाकर के निबंध – डॉ0 के0सी0 गुप्त
8 आधुनिक निबंध साहित्य में मनोवैज्ञानिक उद्‌भावनाएं – डॉ0 (श्रीमती) प्रेम सिंह
9 व्यंग्यकार हरिशंकर परसाई की सामाजिक प्रतिबद्धता – संजय शर्मा
10 राहुल सांकृत्यायन – डॉ0 कन्हैयालाल सिंह
11 महापंडित राहुल सांकृत्यायन – गुणाकर मुले
12 राहुल सांकृत्यायन और प्रगतिशील साहित्य – डॉ0 कैलाश देवी सिंह
13 निर्मल वर्मा की कहानियों का विदेशी परिवेश – डॉ0 सरिता वशिष्ठ
14 सर्जना साहित्यिक निबंध – डॉ0 पीतांबर सरौदे
15 हिंदी गद्य विन्यास और विकास – रामस्वरूप चतुर्वेदी
16 राहुल का भारत – विष्णु चंद्र शर्मा
17 हिंदी का गद्य साहित्य – रामचंद्र तिवारी
18 आचार्य रामचंद्र शुक्ल – रामचंद्र तिवारी
19 साहित्य और समय – डॉ0 अवधेश प्रधान
20 हजारी प्रसाद द्विवेदी – विश्वनाथ त्रिपाठी (संपा0)
21 आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी : व्यक्तित्व एवं कृतित्व – गणपति चंद्र गुप्त (संपा0)
22 हिंदी व्यंग्य का इतिहास – सुभाष चंदर
23 हिंदी साहित्य का दूसरा इतिहास – बच्चन सिंह
24 आधुनिक निबंध – कमल शर्मा
25 हिंदी गद्य के आयाम – डॉ0 वेंकट शर्मा
26 आधुनिक हिंदी निबंध – डॉ0 राजेंद्र प्रसाद मिश्र/डॉ0 मनोज मिश्र
27 अतीत के चलचित्र – महादेवी वर्मा
28 हिंदी गद्य मीमांसा – रमाकांत त्रिपाठी
29 मेरी श्रेष्ठ व्यंग्य रचनाएं – रवींद्रनाथ त्यागी
30 वोल्गा से गंगा – राहुल सांकृत्यायन

सेमेस्टर द्वितीय (पाठ्यक्रम चतुर्थ)
भाषा विज्ञान एवं हिंदी भाषा

इकाई 1

भाषा और भाषा विज्ञान :

भाषा की परिभाषा और अभिलक्षण, भाषा का विकास एवं स्वरूप, भाषाविज्ञान : स्वरूप एवं व्याप्ति, अध्ययन की दिशाएँ–वर्णनात्मक, ऐतिहासिक, तुलनात्मक, प्रायोगिक, विश्व के भाषा परिवार।

इकाई 2

स्वन प्रक्रिया :

स्वनविज्ञान का स्वरूप और शाखाएँ, वाग्वयव और उनके कार्य, स्वन की अवधारणा और स्वनों का वर्गीकरण, स्वनविकार तथा कारण , हिंदी की स्वनिम व्यवस्था– खंड्य, खंड्येतर, स्वन–नियम।

अर्थविज्ञान : अर्थ की अवधारणा, शब्द और अर्थ का संबंध, शब्द भेद, अर्थ परिवर्तन, दिशाएं एवं कारण।

इकाई 3

हिंदी की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि :

प्राचीन भारतीय आर्य भाषाएँ–वैदिक तथा लौकिक संस्कृत और उनकी विशेषताएँ। भारतीय आर्य भाषाएँ–पालि, प्राकृत–शौरसेनी, मागधी, अर्धमागधी, अपभ्रंश और उनकी विशेषताएँ। आधुनिक भारतीय आर्यभाषाएँ और उनका वर्गीकरण, द्रविड़ परिवार की भाषाओं का सामान्य परिचय।

हिंदी का भौगोलिक विस्तार : हिंदी की उपभाषाएँ, पश्चिमी हिंदी, पूर्वी हिंदी, राजस्थानी, बिहारी तथा पहाड़ी और उनकी बोलियों का सामान्य परिचय। खड़ीबोली, कौरवी, अवधी और ब्रज की ध्वनि और रूप संबंधी विशेषताएँ।

इकाई 4

हिंदी का भाषिक स्वरूप : हिंदी वर्तनी और उच्चारण के सिद्धांत। हिंदी शब्द रचना–उपसर्ग, प्रत्यय, समास, संधि।

रूपरचना : लिंग, वचन और कारक–व्यवस्था के संदर्भ में हिंदी के संज्ञा, सर्वनाम, विशेषण और क्रियारूप।

हिंदी के मानकीकरण की समस्याएँ, वर्तनी, उच्चारण, व्याकरण, लिपि।

हिंदी वाक्य रचना : पदक्रम और अन्विति।

इकाई 5

देवनागरी लिपि : व्युत्पत्ति, विशेषताएँ, समस्याएँ और मानकीकरण, देवनागरी लिपि की वैज्ञानिकता।

निबंधात्मक प्रश्न/आलोचनात्मक प्रश्न	2 X 15 =	30 अंक
लघु उत्तरीय प्रश्न	5 X 2 =	10 अंक
अति लघु उत्तरीय प्रश्न	10 X 1 =	10 अंक
योग		**= 50 अंक**

नोट :– लघु उत्तरीय प्रश्नों का उत्तर अधिकतम 200 शब्दों में तथा अतिलघु उत्तरीय प्रश्नों का उत्तर अधिकतम 100 शब्दों में लिखना होगा। अति लघु उत्तरीय प्रश्नों में बहुविकल्पीय तथा सत्य–असत्य पर आधारित प्रश्न नहीं पूछे जाएंगे।

संदर्भ सूची :– भाषा विज्ञान एवं हिंदी भाषा

१	हिंदी भाषा	- कैलाश चंद्र भाटिया
२	भाषा विवेचन	- भगीरथ मिश्र
३	हिंदी- दशा और दिशा	- प्रभाकर श्रोत्रिय
४	भाषा विज्ञान कोश	- डॉ० भोलानाथ तिवारी
५	भारतीय भाषा विज्ञान	- किशोरी दास वाजपेई
६	हिंदी की वर्तनी तथा शब्द-विश्लेषण	- डॉ० भोलानाथ तिवारी
७	हिंदी भाषा का इतिहास	- डॉ० भोलानाथ तिवारी
८	हिंदी भाषा की संरचना	- डॉ० भोलानाथ तिवारी
९	हिंदी व्याकरण	- उमेश चंद्र शुक्ल
१०	भाषा विज्ञान एवं भाषाशास्त्र	- कपिल देव द्विवेदी
११	हिंदी भाषा और साहित्य	- किरनबाला
१२	भाषा विज्ञान	- डॉ० भोलानाथ तिवारी
१३	हिंदी भाषा	- डॉ० भोलानाथ तिवारी
१४	अर्थ विज्ञान	- ब्रज मोहन
१५	ऐतिहासिक भाषा विज्ञान और हिंदी	- रामविलास शर्मा
१६	हिंदी भाषा की संधि संरचना	- डॉ० भोलानाथ तिवारी
१७	हिंदी भाषा की सामासिक संरचना	- डॉ० भोलानाथ तिवारी
१८	हिंदी भाषा की ध्वनि संरचना	- डॉ० भोलानाथ तिवारी
१९	हिंदी भाषा की लिपि संरचना	- डॉ भोलानाथ तिवारी
२०	हिंदी भाषा की शब्द संरचना	- डॉ० भोलानाथ तिवारी
२१	अवधी का विकास	- बाबूराम सक्सेना
२२	देवनागरी लेखन तथा हिंदी वर्तनी व्यवस्था	- लक्ष्मी नारायण
२३	आधुनिक भाषा विज्ञान	- डॉ० राज मणि शर्मा
२४	हिंदी भाषा की रूप संरचना	- डॉ० भोलानाथ तिवारी
२५	हिंदी भाषा की वाक्य संरचना	- डॉ० भोलानाथ तिवारी
२६	हिंदी भाषा की शब्द संरचना	- डॉ० भोलानाथ तिवारी
२७	हिंदी भाषा की आर्थी संरचना	- डॉ० भोलानाथ तिवारी
२८	भाषा विज्ञान	- प्रो नरेश मिश्र
२९	हिंदी भाषा में वर्तनी एवं उच्चारण संबंधी त्रुटियां एवं उपचार	- भंवर लाल नागदा
३०	भाषा की उत्पत्ति, रचना और विकास	- डॉ० विनोद मणि दिवाकर
३१	भाषा का समाजशास्त्र	- राजेंद्र प्रसाद सिंह
३२	हिंदी भाषा तथा देवनागरी का इतिहास	- ओमप्रकाश शर्मा
३३	हिंदी भाषा संदर्भ और संरचना	- डॉ० त्रिलोचन पांडेय
३४	भारतीय आर्य भाषा समस्या	- रामविलास शर्मा
३५	हिंदी और उसकी उपभाषाएँ	- विमलेश कांति वर्मा
३६	भारत के भाषा परिवार	- डॉ० राजमल बोरा
३७	हिंदी भाषा का उद्गम और विकास	- उदयनारायण तिवारी
३८	भाषा विज्ञान और हिंदी भाषा	- राजनाथ भट्ट
३९	नागरी लिपि और हिंदी वर्तनी	- डॉ० अनंत चौधरी
४०	हिंदी भाषा के अक्षर तथा शब्द की सीमा	- डॉ० कैलाश चंद्र भाटिया
४१	भारतीय भाषा विज्ञान का सामाजिक धरातल	- शमशेर सिंह नरूला
४२	हिंदी शब्द समूह का विकास	- डॉ० नरेश मिश्र
४३	भाषा विभाग की भूमिका	- डॉ० देवेंद्रनाथ शर्मा
४४	हिंदी भाषा संरचना के विविध आयाम	- रवींद्रनाथ श्रीवास्तव
४५	आधुनिक भाषा विज्ञान	- डॉ० राजमणि शर्मा
४६	राष्ट्रभाषा हिंदी : समस्याएं और समाधान	- आचार्य देवेंद्रनाथ शर्मा
४७	भारत की भाषा समस्या	- रामविलास शर्मा
४८	भारत के प्राचीन भाषा परिवार और हिंदी	- रामविलास शर्मा
४९	भाषा और समाज	- रामविलास शर्मा

सेमेस्टर द्वितीय (पाठ्यक्रम पंचम)
कोश विज्ञान

इकाई 1 कोश, परिभाषा और स्वरूप। कोश की उपयोगिता। कोश और व्याकरण का अंतःसंबंध। कोश साहित्य का इतिहास–पाश्चात्य परंपरा, कोश–निर्माण : विज्ञान या कला।

इकाई 2 पाश्चात्य कोश परंपरा, प्राचीन भारतीय कोश परंपरा, निघंटु, नाम तथा हिंदी कोश साहित्य का इतिहास। हिंदी के प्रमुख कोश और कोशकार।

इकाई 3 कोश के भेद–समभाषी, द्विभाषी और बहुभाषी कोश, एककालिक और कालक्रमिक कोश, विषय कोश, परिभाषिक कोश, व्युत्पत्तिकोश, समांतर कोश, अध्येताकोश, विश्वकोश, बोलीकोश।

इकाई 4 कोश–निर्माण की प्रक्रिया, सामग्री संकलन, प्रविष्टिक्रम, व्याकरणिक कोटि, उच्चारण, व्युत्पत्ति, अर्थ (पर्याय, व्याख्या, चित्र) प्रयोग, उप– प्रविष्टियाँ, संक्षिप्तियाँ, संदर्भ और प्रति संदर्भ।

रूप अर्थ संबंध अनेकार्थकता, समानार्थकता, समनामता, समध्वन्यात्मकता, विलोमता।

इकाई 5 कोश–निर्माण की समस्याएँ : अनेकार्थकता, द्विभाषी और बहुभाषी कोशों के संदर्भ में, अलिखित भाषाओं का कोश निर्माण। स्वचालित सामग्री संसाधन, कंप्यूटर और कोश निर्माण।

कोशविज्ञान और अन्य विषयों का संबंध : कोश विज्ञान और स्वनविज्ञान, व्याकरण, व्युत्पत्तिशास्त्र और अर्थविज्ञान का संबंध, कोश विज्ञान की उपादेयता।

निबंधात्मक प्रश्न/आलोचनात्मक प्रश्न	2 X 15 =	30 अंक
लघु उत्तरीय प्रश्न	5 X 2 =	10 अंक
अति लघु उत्तरीय प्रश्न	10 X 1 =	10 अंक
योग	=	**50 अंक**

संदर्भ सूची :– कोश विज्ञान

1	डोगरी– हिंदी– राजस्थानी शब्दकोश	– चंद्रप्रकाश देवल
2	हिंदी– उर्दू– अंग्रेजी शब्दकोश	– एम०एस०उस्मानी, सुधींद्र कुमार मीना उस्मानी
3	अंग्रेजी हिंदी परिभाषिक शब्दकोश	– डॉ० हरदेव बाहरी
4	शब्द परिवार कोश	– डॉ० बदरीनाथ कपूर
5	मुहावरा कोश	– हरिवंश राय शर्मा
6	सुभाषित कोश	– हरिवंश राय शर्मा
7	कहावत कोश	– समर
8	लोकोक्ति कोश	– हरिवंश राय शर्मा
9	उर्दू हिंदी शब्दकोश	– डॉ० सैयद असद अली
10	विद्यार्थी हिंदी शब्दकोश	– डॉ० ओमप्रकाश
11	भारतीय संस्कृति कोश	– लीलाधर शर्मा 'पर्वतीय'
12	अंग्रेजी–हिंदी समानार्थी शब्दकोश	– डॉ० बदरीनाथ कपूर
13	हिंदी मिजो अध्येता कोश	– अमर बहादुर सिंह व रवि प्रकाश श्रीवास्तव
14	हिंदी लुशाई द्विभाषी कोश	– रवि प्रकाश श्रीवास्तव
15	हिंदी–खासी द्विभाषी कोश	– रमा सूद, मीरा सरीन
16	हिंदी क्रिया, विशेषण शब्दकोश	– ज्योत्सना रघुवंशी
17	कौरवी शब्द कोश	– डॉ० कृष्ण चंद्र शर्मा
18	हिंदी तुकांत कोश	– रामनाथ सहाय
19	हिंदी पर्यायवाची कोश	– भोलानाथ तिवारी
20	हिंदी–अंग्रेजी प्रशासनिक कोश	– कैलाश चंद्र भाटिया
21	कंप्यूटर व सूचना प्रौद्योगिकी शब्दकोश	– विनोद कुमार मिश्र

सेमेस्टर तृतीय (पाठ्यक्रम प्रथम
आधुनिक काव्य (छायावाद पर्यंत)

इस पाठ्यकम में रचनाओं के साथ–साथ इस समयावधि के रचनाकर्म उसकी विशिष्टताओं पर व्यापक चर्चा एवं समीक्षा अपेक्षित है।

इकाई 1	मैथिलीशरण गुप्त	–	साकेत का नवम सर्ग
इकाई 2	जयशंकर प्रसाद	–	कामायनी (चिंता, श्रद्धा, इड़ा सर्ग और आनंद सर्ग)
इकाई 3	सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला'	–	राम की शक्ति पूजा
इकाई 4	सुमित्रानंदन पंत	–	परिवर्तन, मौन निमंत्रण
	महादेवी वर्मा	–	'यामा' के प्रारंभिक पाँच गीत
इकाई 5	**द्रुतपाठ** – 1 जगन्नाथ दास 'रत्नाकर', 2 माखनलाल चतुर्वेदी, 3 अयोध्या सिंह उपाध्याय 'हरिऔध', 4 सुभद्रा कुमारी चौहान, 5 गोपाल सिंह नेपाली, 6 हरिवंशराय बच्चन, 7 बालकृष्ण शर्मा 'नवीन'।		

द्रुतपाठ के लिए चयनित रचनाकारों में से लघु उत्तरीय/अति लघुउत्तरीय प्रश्न पूछे जाएंगे जो उनके जीवन परिचय तथा रचना से संबंधित प्रश्न होंगे। निबंधात्मक प्रश्न द्रुतपाठ के लिए चयनित रचनाकारों में से नहीं पूछे जाएंगे।

1.	व्याख्याएँ	2 X 7 $^{1}/_{2}$	=	15 अंक
2.	निबंधात्मक प्रश्न	1 X 15	=	15 अंक
3.	लघु उत्तरीय पश्न	5 X 2	=	10 अंक
4.	अति लघूत्तरीय प्रश्न	10 X 1	=	10 अंक
		योग	=	**50 अंक**

नोट 01 :– निबंधात्मक प्रश्न एवं व्याख्यान इकाई संख्या 01, 02, 03 एवं 04 से पूछी जाएंगी।

02 :– लघु उत्तरीय प्रश्नों का उत्तर अधिकतम 200 शब्दों में तथा अति लघु उत्तरीय प्रश्नों का उत्तर अधिकतम 100 शब्दों में लिखना होगा। अति लघु उत्तरीय प्रश्नों में बहुविकल्पीय तथा सत्य–असत्य पर आधारित प्रश्न नहीं पूछे जाएंगे।

संदर्भ सूची :– आधुनिक काव्य (छायावाद पर्यन्त)

1	निराला की साहित्य साधना भाग 1 एवं 2	– रामविलास शर्मा
2	प्रसाद का पूर्ववर्ती काव्य	– उषा मिश्र
3	कामायनी लोचन	– डॉ० उदयभानु सिंह
4	कविता का गल्प	– अशोक वाजपेयी
5	महाप्राण निराला समग्र मूल्यांकन	– वीरेंद्र सिंह
6	कामायनी रूपक	– डॉ0 विनय
7	महाप्राण निराला	– प्रो0 वकील
8	छायावादी काव्य : कुछ नए संदर्भ	– डॉ0 मृदुला जुगरान
9	प्रसाद, निराला और पंत : छायावाद और उसकी वृहत्त्रयी	– विजय बहादुर सिंह
10	साकेत विचार और विश्लेषण	– डॉ0 वचन देव कुमार
11	जयशंकर प्रसाद	– नंद दुलारे वाजपेयी
12	प्रसाद और उनका साहित्य	– विनोद शंकर व्यास
13	प्रसाद का काव्य	– डॉ0 प्रेमशंकर
14	निराला की साहित्य साधना भाग 1, 2, 3, 4	– डॉ0 रामविलास शर्मा
15	क्रांतिकारी कवि निराला	– डॉ0 बच्चन सिंह
16	नवजागरण और छायावाद	– डॉ0 महेंद्रनाथ राय
17	महाकवि निराला	– नंद दुलारे वाजपेयी
18	साकेत एक अध्ययन	– डॉ0 नगेंद्र
19	नवम् सर्ग का काव्य वैभव	– कन्हैयालाल सहगल
20	कामायनी के अध्ययन की समस्याएं	– डॉ0 नगेंद्र
21	छायावाद की प्रासंगिकता	– रमेश चंद्र शाह
22	सुमित्रानंदन पंत	– डॉ0 नगेंद्र
23	भारतेंदु ग्रंथावली	– नागरी प्रचारिणी सभा काशी
24	भारतेंदु और उनके सहयोगी	– डॉ0 किशोरी लाल गुप्त
25	भारतेंदु हरिश्चंद्र	– डॉ0 रामविलास शर्मा
26	निराला : आत्महंता आस्था	– दूधनाथ सिंह
27	पंत, प्रसाद और मैथिलीशरण	– रामधारी सिंह दिनकर
28	क्रांति कवि निराला	– बच्चन सिंह
29	छायावाद	– नामवर सिंह
30	प्रसाद, निराला, अज्ञेय	– रामस्वरूप चतुर्वेदी
31	आधुनिक कविता के बदलते प्रतिमान	– डॉ0 श्रीनिवास पांडेय
32	नवजागरण और छायावाद	– डॉ0 महेंद्रनाथ राय
33	साहित्य और समय	– अवधेश प्रधान
34	हिंदी साहित्य बीसवी शताब्दी	– नंद दुलारे वाजपेयी
35	महादेवी संचयिता	– निर्मला जैन (संपा0)
36	आज के लोकप्रिय कवि बालकृष्ण शर्मा 'नवीन'	– भवानी प्रसाद मिश्र
37	महादेवी वर्मा	– शचीरानी गुर्टू
38	महादेवी वर्मा	– जगदीश गुप्त
39	नवीन और उनका काव्य	– जगदीश प्रसाद श्रीवास्तव
40	कामायनी : एक पुनर्विचार	– गजानन माधव मुक्तिबोध

सेमेस्टर तृतीय (पाठ्यक्रम द्वितीय)

भारतीय काव्यशास्त्र

इकाई 1

:– संस्कृत काव्यशास्त्र का संक्षिप्त इतिहास,

:– काव्य लक्षण, काव्य हेतु, काव्य प्रयोजन, काव्य के प्रमुख रूप।

इकाई 2

अलंकार सिद्धांत :– अलंकार की अवधारणा, अलंकार सिद्धांत की प्रमुख स्थापनाएँ।

रीति सिद्धांत :– रीति की अवधारणा, रीति सिद्धांत की प्रमुख स्थापनाएँ।

वक्रोक्ति सिद्धांत :– वक्रोक्ति की अवधारणा, वक्रोक्ति सिद्धांत की प्रमुख स्थापनाएँ।

इकाई 3

रस सिद्धांत :– रस का स्वरूप, रस निष्पत्ति, साधारणीकरण।

इकाई 4

ध्वनि सिद्धांत :– ध्वनि का स्वरूप, ध्वनि सिद्धांत की प्रमुख स्थापनाएँ।

इकाई 5

औचित्य सिद्धांत :– औचित्य की अवधारणा, औचित्य सिद्धांत की प्रमुख स्थापनाएँ।

निबंधात्मक प्रश्न	2 X 15	=	30 अंक
लघु उत्तरीय प्रश्न	5 X 2	=	10 अंक
अति लघु उत्तरीय प्रश्न	10 X 1	=	10 अंक
योग		=	**50 अंक**

नोट :– लघु उत्तरीय प्रश्नों का उत्तर अधिकतम 200 शब्दों में तथा अति लघु उत्तरीय प्रश्नों का उत्तर अधिकतम 100 शब्दों में लिखना होगा। अति लघु उत्तरीय प्रश्नों में बहुविकल्पीय तथा सत्य–असत्य पर आधारित प्रश्न नहीं पूछे जाएंगे।

संदर्भ सूची :– भारतीय काव्यशास्त्र

1	भारतीय काव्य विमर्श	– राममूर्ति त्रिपाठी
2	हिंदी साहित्य कोश (प्रथम खंड)	– संपादक धीरेंद्र वर्मा
3	रस सिद्धांत	– डॉ0 नगेंद्र
4	काव्यशास्त्र की रूपरेखा	– डॉ0 रामदत्त भारद्वाज
5	काव्य दर्पण	– डॉ0 जगदीश प्रसाद कौशिक
6	भारतीय काव्यशास्त्र के प्रतिमान	– डॉ0 जगदीश प्रसाद कौशिक
7	रस सिद्धांत के विविध आयाम	– संपादक– आनंद प्रकाश दीक्षित
8	भारतीय काव्यशास्त्र	– रामानंद शर्मा
9	अर्द्धशती का भारतीय काव्य चिंतन : पक्ष और विपक्ष	– राममूर्ति त्रिपाठी
10	अलंकार दर्पण	– डॉ0 नरेश मिश्र
11	भारतीय काव्य सिद्धांत	– डॉ0 भगीरथ मिश्र
12	रस मीमांसा	– रामचंद्र शुक्ल
13	रस सिद्धांत : स्वरुप विश्लेषण	– डॉ0 आनंद प्रकाश दीक्षित
14	काव्यालोक	– राम दहिन मिश्र
15	ध्वनि संप्रदाय और उसके सिद्धांत	– डॉ0 भोलाशंकर व्यास
16	औचित्य मीमांसा	– राममूर्ति त्रिपाठी
17	अलंकार मुक्तावली	– देवेंद्र नाथ शर्मा
18	रीति विज्ञान	– विद्यानिवास मिश्र
19	शैली विज्ञान और आलोचना की नई भूमिका	– रवींद्र नाथ श्रीवास्तव
20	भारतीय काव्यशास्त्र की भूमिका	– डॉ0 नगेंद्र
21	भारतीय काव्यशास्त्र के नए क्षितिज	– राममूर्ति त्रिपाठीं
22	साहित्यशास्त्र	– देश पांडेय
23	भारतीय काव्य विमर्श	– राममूर्ति त्रिपाठी
24	साहित्य के समाजशास्त्र की भूमिका	– मैनेजर पांडेय
25	रामविलास शर्मा के समीक्षा सिद्धांत	– डॉ0 माताप्रसाद
26	संस्कृत काव्यशास्त्र का इतिहास	– पी0 वी0 काणे
27	भारतीय काव्यशास्त्र	– सत्यदेव चौधरी
28	धवन्यालोक लोचन	– जगन्नाथ पाठक
29	भारतीय काव्यशास्त्र के नए क्षितिज	– राममूर्ति त्रिपाठी
30	भारतीय एवं पाश्चात्य काव्यशास्त्र की रूपरेखा	– रामचंद्र तिवारी
31	काव्यभाषा, अलंकार रचना एवं अन्य समस्याएँ	– योगेंद्र प्रताप सिंह

सेमेस्टर तृतीय (पाठ्यक्रम तृतीय)
विशिष्ट रचनाकार

कबीरदास

पाठ्यग्रंथ : (क) कबीर ग्रंथावली – सं0 डॉ0 श्यामसुंदर दास

सहायक ग्रंथ :

1 कबीर – हजारी प्रसाद द्विवेदी।
2 कबीर दर्शन – रामजीलाल सहायक।
3 कबीर : एक नई दृष्टि – डॉ0 रघुवंश।
4 कबीर का रहस्यवाद – आचार्य परशुराम चतुर्वेदी।
5 हिंदी संत काव्यों में परंपरा और प्रयोग – डॉ0 भगवान देव पांडेय।
6 कबीर एक अनुशीलन – डॉ0 रामकुमार वर्मा।
7 अकथ कहानी प्रेम की – पुरूषोत्तम अग्रवाल।
8 कबीर का रहस्यवाद – रामकुमार वर्मा।
9 कबीर – सं0 विजयेंद्र स्नातक।

सूरदास

पाठ्यग्रंथ : सूरसागर – सार (संपूर्ण) – सं0 डॉ0 धीरेंद्र वर्मा, नवीन संस्करण।

सहायक ग्रंथ :–

1 सूरदास – आचार्य रामचंद्र शुक्ल।
2 सूर–साहित्य – आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी।
3 अष्टछाप और वल्लभ संप्रदाय – डॉ0 दीनदयाल गुप्ता।
4 सूर और उनका साहित्य – डॉ0 हरिवंश लाल शर्मा।
5 हिंदी सगुण काव्य की सांस्कृतिक भूमिका – डॉ0 रामनरेश वर्मा।
6 सूरदास और कृष्ण भक्ति काव्य – डॉ0 मैनेजर पांडेय।
7 सूरदास – नंददुलारे वाजपेयी।
8 हिंदी कृष्णभक्ति साहित्य – मधुर भाव की उपासना – प्रो0 पूर्णमासी राय।
9 मीरा का काव्य – डॉ0 विश्वनाथ त्रिपाठी।
10 मीराबाई – डॉ0 श्रीकृष्ण लाल।
11 भक्ति आंदोलन और सूरदास का काव्य – मैनेजर पांडेय।

गोस्वामी तुलसीदास

पाठ्यग्रंथ :

1 रामचरित मानस (अयोध्याकाण्ड – संपूर्ण) 326 दोहा)
2 कवितावली – (केवल उत्तरकाण्ड, कुल 183 छंद)
3 विनय पत्रिका – चुने हुए कुल 51 पद (पद संख्या :– 1, 3, 4, 5, 7, 17, 30, 36, 41, 45, 72, 73, 76, 78, 79, 85, 88, 89, 90, 94, 97, 100, 101, 102, 103, 104, 105, 111, 113, 114, 115, 121, 124, 155, 156, 158, 159, 160, 162, 163, 164, 165, 166, 167, 169, 172, 174, 185, 198, 201, 272)।

सहायक ग्रंथ :–

1 गोस्वामी तुलसीदास – आचार्य रामचंद्र शुक्ल।
2 तुलसीदास – डॉ0 माताप्रसाद गुप्त।

3 मानस दर्शन – डॉ0 श्रीकृष्णलाल।
4 तुलसी और उनका युग – डॉ0 राजपति दीक्षित।
5 तुलसी की जीवन भूमि – चंद्रबलि पांडेय।
6 रामकथा का विकास – कामिल बुल्के हिंदी परिषद्, प्रयाग
7 मानस की रूसी भूमिका (हिंदी अनुवाद) – वारान्निकोव, विद्या मंदिर प्रकाशन, लखनऊ
8 संत तुलसीदास और उनका संदेश – डॉ0 राजपति दीक्षित।
9 गोस्वामी तुलसीदास की दृष्टि में नारी और उसका महत्व – डॉ0 ज्ञानवती त्रिवेदी।
10 लोकवादी तुलसी – डॉ0 विश्वनाथ त्रिपाठी।
11 तुलसीदास – ग्रियर्सन।
12 तुलसी – उदयभानु सिंह
13 तुलसी संदर्भ – डॉ0 नगेंद्र

जयशंकर प्रसाद

पाठ्य ग्रंथ :

1 कामायनी (संपूर्ण)
2 ध्रुवस्वामिनी
3 कहानी : आकाशदीप, गुंडा, देवरथ।
4 काव्य कला तथा छायावाद और यथार्थ (प्रथम निबंध और अंतिम निबंध)

सहायक ग्रंथ :–

1 जयशंकर प्रसाद – आचार्य नंददुलारे वाजपेयी।
2 नया साहित्य : नये प्रश्न – आचार्य नंददुलारे वाजपेयी।
3 जयशंकर प्रसाद : वस्तु और कला – डॉ0 रामेश्वर खंडेलवाल।
4 प्रसाद और उनका साहित्य – विनोद शंकर व्यास।
5 प्रसाद का काव्य – डॉ0 प्रेमशंकर।
6 प्रसाद के नाटकों का शास्त्रीय अध्ययन – डॉ0 जगन्नाथ प्रसाद शर्मा।
7 प्रसाद के जीवन और साहित्य – डॉ0 रामरतन भटनागर।
8 हिंदी नाटक – डॉ0 बच्चन सिंह।
9 प्रसाद का गद्य साहित्य – डॉ0 राजमणि शर्मा।
10 प्रसाद : दुखांत नाटक – रामकृष्ण शुक्ल श्रीमुख।
11 नाटक के रंगमंचीय प्रतिमान – डॉ0 वशिष्ठ नागर त्रिपाठी।
12 प्रसाद साहित्य में अतीत चिंतन – डॉ0 धर्मपाल कपूर
13 कामायनी का पुनर्मूल्याकन – रामरवरूप चतुर्वेदी
14 प्रसाद साहित्य सर्जना के आयाम – माधरी सुबोध (संपादक)
15 प्रसाद संदर्भ – प्रमिला शर्मा (संपादक)

प्रेमचंद

(क) रंगभूमि (ख) कायाकल्प
(ग) गबन (घ) मानसरोवर (खंड एक)

सहायक ग्रंथ

1 प्रेमचंद – घर में – शिवरानी देवी।
2 प्रेमचंद : एक विवेचन – इंद्रनाथ मदान।
3 प्रेमचंद और उनका युग – रामविलास शर्मा।
4 प्रेमचंद : कलम का सिपाही –अमृतराय।
5 प्रेमचंद – मदनगोपाल

6 प्रेमचंद : जीवन, कला एवं कृतित्व – हंसराज रहबर।
7 प्रेमचंद : साहित्यिक विवेचन – नंददुलारे वाजपेयी।
8 कथाकार प्रेमचंद – मन्मथनाथ गुप्त।
9 प्रेमचंद : एक अध्ययन – राजेश्वर गुरु।
10 प्रेमचंद की उपन्यास कला – जनार्दन प्रसाद राय।
11 प्रेमचंद एवं भारतीय किसान – प्रो० रामवक्ष जाट।
12 प्रेमचंद : गंगा प्रसाद विमल।
13 प्रेमचंद के साहित्य सिद्धांत – नरेंद्र कोहली।
14 प्रेमचंद : एक कला व्यक्तित्व – जैनेंद्र।
15 प्रेमचंद स्मृति – सं0 अमृतराय।
16 प्रेमचंद : चिंतन और कला – सं0 इंद्रनाथ मदान।
17 प्रेमचंद और गोर्की – श्री मदनलाल 'मधु'।
18 हिंदी उपन्यास : (विशेषतः प्रेमचंद) : नलिन विलोचन शर्मा।

सच्चिदानंद हीरानंद वात्स्यायन 'अज्ञेय'

पाठ्य ग्रंथ : 1. नदी के द्वीप और अपने अपने अजनबी, 2. आंगन के पार द्वार, 3. अज्ञेय की प्रतिनिधि कहानियाँ (सं० कृष्णदत्त पालीवाल), आत्मपरक (निबंध संग्रह) – अज्ञेय।

सहायक ग्रंथ :–

1 अज्ञेय का कथा साहित्य – ओम प्रभाकर।
2 अज्ञेय के उपन्यासों की शिल्पविधि – सत्यपाल चुघ।
3 अज्ञेय और आधुनिक रचना की समस्या – रामस्वरूप चतुर्वेदी।
4 शिखर से सागर तक – डॉ0 रामकमल राय।
5 अज्ञेय और नयी कविता – डॉ0 चंद्रकला त्रिपाठी।
6 अज्ञेय की काव्य चेतना के आयाम – डॉ0 नवीन चंद्र लोहनी।
7 अज्ञेय कवि और काव्य – डॉ0 राजेंद्र प्रसाद।
8 अज्ञेय का कवि कर्म – कृष्णदत्त पालीवाल।
9 अज्ञेय का काव्य भाव और शिल्प – डॉ0 शंकर बसंत मुद्गल।
10 आज के लोकप्रिय कवि अज्ञेय – विद्यानिवास मिश्र।
11 अज्ञेय एक अध्ययन – भोला भाई पटेल।
12 अज्ञेय गद्य रचना के विविध आयाम – डॉ0 पुष्पा शर्मा।

व्याख्या	–	2 x 7 $^{1}/_{2}$	= 15 अंक
निबंधात्मक प्रश्न	–	1 x 15	= 15 अंक
लघु उत्तरीय प्रश्न	–	5 x 2	= 10 अंक
अति लघु उत्तरीय प्रश्न	–	10 x 1	= 10 अंक
योग			= 50 अंक

नोट 01 :– विशेष चयन के रूप में एक साहित्यकार का साहित्य पढ़ा जाएगा।

02 :– लघु उत्तरीय प्रश्नों का उत्तर अधिकतम 200 शब्दों में तथा अति लघु उत्तरीय प्रश्नों का उत्तर अधिकतम 100 शब्दों में लिखना होगा। अति लघु उत्तरीय प्रश्नों में बहुविकल्पीय तथा सत्य–असत्य पर आधारित प्रश्न नहीं पूछे जाएंगे।

संदर्भ सूची :– विशिष्ट रचनाकार

1	भक्ति आंदोलन और सूरदास का काव्य	– मैनेजर पांडेय
2	महाकवि सूरदास	– आचार्य नंद दुलारे वाजपेयी
3	प्रसाद संदर्भ	– संपादक : प्रमिला शर्मा
4	प्रसाद साहित्य : सर्जना के आयाम	– संपादक : माधुरी सुबोध
5	गोस्वामी तुलसीदास	– संपादक : रामचंद्र शुक्ल
6	तुलसीदास	– डॉ0 माताप्रसाद गुप्त
7	तुलसी और उनका युग	– डॉ0 राजपति दीक्षित
8	तुलसी संदर्भ	– डॉ0 नगेंद्र
9	तुलसी	– उदय भानु सिंह
10	जयशंकर प्रसाद	– नंद दुलारे वाजपेयी
11	कामायनी का पुनर्मूल्यांकन	– रामस्वरूप चतुर्वेदी
12	अज्ञेय कवि और काव्य	– राजेंद्र प्रसाद
13	अज्ञेय की काव्य चेतना के आयाम	– प्रो0 नवीन चंद्र लोहनी
14	अज्ञेय के उपन्यासों की शिल्प विधि	– डॉ0 सत्यपाल
15	अज्ञेय का काव्य – भाव एवं शिल्प	– डॉ0 शंकर बसंत मुद्गल
16	आज के लोकप्रिय हिंदी कवि : अज्ञेय	– विद्यानिवास मिश्र
17	अज्ञेय : एक अध्ययन	– भोला भाई पटेल
18	अज्ञेय गद्य रचना के विविध आयाम	– डॉ0 पुष्पा शर्मा
19	कामायनी रूपक	– डॉ0 विनय
20	कबीर	– आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी
21	नदी के द्वीप में वैयक्तिक स्वच्छंदतावाद	– आशा अरोड़ा
22	हिंदी साहित्य और संवेदना का विकास	– रामस्वरूप चतुर्वेदी
23	प्रसाद साहित्य में अतीत चिंतन	– डॉ0 धर्मपाल कपूर

सेमेस्टर तृतीय (पाठ्यक्रम चतुर्थ)
पत्रकारिता प्रशिक्षण

इकाई 1 **प्रिंट पत्रकारिता**

हिंदी पत्रकारिता का उद्भव और विकास।

समाचार के सिद्धांत, समाचार के मूल तत्व, समाचार के विभिन्न स्रोत।

संपादन कला के सामान्य सिद्धांतः शीर्षकीकरण, पृष्ठ विन्यास, आमुख और समाचार प्रस्तुतीकरण।

दृश्य सामग्री–कार्टून, रेखाचित्र, ग्राफिक्स की व्यवस्था एवं फोटो पत्रकारिता।

इकाई 2

पत्रकारिता के प्रकार

पत्रकारिता से संबंधित प्रमुख लेखन : संपादकीय, फीचर, रिपोर्ताज, साक्षात्कार, पुस्तक समीक्षा, ब्लॉग लेखन।

इकाई 3

इलेक्ट्रॉनिक माध्यम

इलेक्ट्रॉनिक मीडिया : स्वरूप एवं विस्तार :–

1. रेडियो पत्रकारिता :– समाचार तकनीक, तकनीक आयाम, रेडियो बुलेटिन।
2. टेलीविजन में समाचार संकलन, संपादन, प्रस्तुतीकरण, प्रस्तोता।
3 इंटरनेट पत्रकारिता
4 सोशल मीडिया

इकाई 4

समाचार संकलन तकनीक :– 1. साक्षात्कार, 2. प्रेसवार्ता, 3. संसदीय रिपोर्टिंग, 4. विधि समाचार, 5. खेल समाचार, 6. भाषणों, बैठकों संगोष्ठियों आदि के समाचार तथा प्रेस विज्ञप्तियाँ 7. दुर्घटनाओं, आपदाओं, अपराधों की रिपोर्टिंग।

इकाई 5

रेडियो एवं टेलीविजन की तकनीक एवं उपकरण :–

1. माइक्रोफोन, रिकॉर्डर, मिक्सर, वीडियो, कैमरा और मल्टीमीडिया

निबंधात्मक प्रश्न	2 X 15 =	30 अंक
लघु उत्तरीय प्रश्न	5 X 2 =	10 अंक
अति लघु उत्तरीय प्रश्न	10 X 1 =	10 अंक
कुल योग	=	50 अंक

नोट :– लघु उत्तरीय प्रश्नों का उत्तर अधिकतम 200 शब्दों में तथा अति लघु उत्तरीय प्रश्नों का उत्तर अधिकतम 100 शब्दों में लिखना होगा। अति लघु उत्तरीय प्रश्नों में बहुविकल्पीय तथा सत्य–असत्य पर आधारित प्रश्न नहीं पूछे जाएंगे।

संदर्भ सूची :– पत्रकारिता प्रशिक्षण

1	पत्रकारिता इतिहास और प्रश्न	– कृष्ण बिहारी मिश्र
2	पत्रकारिता की चुनौतियाँ	– गणेश मंत्री
3	भारतीय पत्रकारिता : कल आज और कल	– सुरेश गौतम
4	हिंदी पत्रकारिता और जनसंचार	– ठाकुर दत्त आलोक
5	पत्रकारिता के नए परिप्रेक्ष्य	– राजकिशोर
6	उत्तर आधुनिक मीडिया तकनीक	– हर्ष देव
7	प्रसार भारती प्रसारण नीति	– सुधीश पचौरी
8	हिंदी पत्रकारिता : स्वरूप और संदर्भ	– विनोद गोदरे
9	हिंदी पत्रकारिता : कल आज और कल	– सुरेश गौतम
10	मीडिया का यथार्थ	– डॉ0 रतन कुमार पांडेय
11	सिनेमा : कल आज और कल	– विनोद भारद्वाज
12	हिंदी पत्रकारिता और राजभाषा विमर्श	– शशि नारायण
13	आज की दुनिया में सूचना पद्धति	– मार्क पोस्टर
14	पत्रकारिता संदर्भ कोश	– राम प्रकाश
15	टेलीविजन प्रौद्योगिकी और सांस्कृतिक रूप	– दीपू राय
16	साहित्यिक पत्रकारिता	– ज्योतिष जोशी
17	आर्थिक पत्रकारिता	– भरत झुनझुनवाला
18	हिंदी पत्रकारिता : आधुनिक संदर्भ	– देव प्रकाश मिश्र
19	नवजागरणकालीन पत्रकारिता (भाग–1 व 2)	– सं० कृष्ण दत्त शर्मा
20	रेडियो प्रसारण	– कौशल शर्मा
21	मीडिया विमर्श	– रामशरण जोशी
22	मीडिया की परख	– सुधीश पचौरी
23	दूरदर्शन विकास से बाजार तक	– सुधीश पचौरी
24	पत्रकार और पत्रकारिता प्रशिक्षण	– अरविंद मोहन
25	21वीं सदी और हिंदी पत्रकारिता : अन्तरंग पहचान	– अमरेंद्र निशान्त
26	इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के सिद्धांत	– रूपचंद गौतम
27	संपादन कला एवं प्रूफ पठन	– डॉ0 हरिमोहन
28	पत्रकारिता एवं संपादन कला	– एन0सी0 पंथ
29	पत्रकारिता : मिशन से मीडिया तक	– अखिलेश मिश्र
30	सूचना प्रौद्योगिकी एवं पत्रकारिता	– अशोक मलिक
31	टेलीविजन पत्रकारिता	– ओमकार चौधरी
32	पत्रकारिता प्रशिक्षण	– डॉ0 राजेंद्र मिश्र/राकेश शर्मा
33	इंटरनेट पत्रकारिता	– सुरेश कुमार
34	टेलीविजन लेखन	– असगर वजाहत
35	फीचर लेखन : स्वरूप और शिल्प	– डॉ0 मनोहर प्रभाकर
36	समकालीन पत्रकारिता : मूल्यांकन और मुद्दे	– राजकिशोर
37	खेल पत्रकारिता	– सुशील दोसी/सुरेश कौशिक
38	लोकतंत्र और पत्रकारिता	– संपादक अमर सिंह वधान
39	भेंटवार्ता और प्रेस कॉन्फ्रेंस	– डॉ0 नंद किशोर तिरखा
40	समाचार पत्र प्रबंधन	– गुलाब कोठारी
41	भूमंडलीकरण और मीडिया	– कुमुद शर्मा
42	बातचीत की कला	– मानवती आर्या/कृष्ण चंद्र आर्या
43	पत्रकारिता की विभिन्न विधाएँ	– डॉ0 निशांत सिंह
44	कैरियर पत्रकारिता	– रूप चंद गौतम
45	फिल्म पत्रकारिता	– डॉ0 मनोज पटौदिया

सेमेस्टर तृतीय (पाठ्यक्रम पंचम)

अनुवाद

इकाई 1

अनुवाद : परिभाषा, क्षेत्र और सीमाएँ।
अनुवाद का स्वरूप : अनुवाद कला, विज्ञान अथवा शिल्प
अनुवाद की सार्थकता, प्रासंगिकता एवं व्यावसायिक परिदृश्य।

इकाई 2

अनुवाद की इकाइयाँ : शब्द, पदबंध और वाक्य, पाठ।
अनुवाद की प्रक्रिया और प्रविधि : विश्लेषण, अंतरण, पुनर्गठन/पुनरीक्षण, संपादन, मूल्यांकन।
अनुवाद : स्रोत भाषा और लक्ष्य भाषा की तुलना तथा अर्थांतरण की प्रक्रिया, अनुदित पाठ का पुनर्गठन और अर्थ – संप्रेषण की प्रक्रिया। अनुवाद – प्रक्रिया की प्रकृति।

इकाई 3

अनुवाद तथा समतुल्यता का सिद्धांत।
अनुवाद के क्षेत्र एवं प्रकार – कार्यालयी, वैज्ञानिक एवं तकनीकी, साहित्यिक, मानविकी, संचारमाध्यम, विज्ञापन आदि।
अनुवाद की समस्याएँ : सृजनात्मक अथवा साहित्यिक अनुवाद की समस्याएँ, कार्यालयी अनुवाद की समस्याएँ, वैज्ञानिक एवं तकनीकी साहित्य के अनुवाद की समस्याएँ, विधि साहित्य के अनुवाद की समस्याएँ, कोश एवं पारिभाषिक शब्दार्थ के निर्माण की समस्याएँ, मीडिया क्षेत्र के अनुवाद की समस्याएँ, विज्ञापन के अनुवाद की समस्याएँ।

इकाई 4

अनुवाद के उपकरण : कोश, पारिभाषिक शब्दावली, थिसारस, कंप्यूटर आदि।
मशीनी अनुवाद।
अनुवाद के गुण।
पाठ की अवधारणा और प्रकृति – पाठ शब्द, प्रति शब्द।

शाब्दिक अनुवाद	भावानुवाद
छायानुवाद	पूर्ण और आंशिक अनुवाद, सारानुवाद
आशु अनुवाद	

इकाई 5

व्यावहारिक अनुवाद (प्रश्नपत्र में दिए गए अंग्रेजी अवतरण का हिन्दी अनुवाद एवं हिंदी से अंग्रेजी अनुवाद)

निबंधात्मक प्रश्न/आलोचनात्मक प्रश्न	2 X 15 =	30 अंक
लघु उत्तरीय प्रश्न	5 X 2 =	10 अंक
अति लघु उत्तरीय प्रश्न	10 X 1 =	10 अंक
योग	=	**50 अंक**

संदर्भ सूची :– अनुवाद

1	अनुवाद समझे और करें	– डॉ विचार दास सुमन
2	अनुवाद – विमर्श एक अध्याय	– डॉ० प्रणब शर्मा
3	अंग्रेजी हिंदी अनुवाद व्याकरण	– सूरजभान सिंह
4	अनुवाद : भाषाएँ–समस्याएँ	– एन०ई० विश्वनाथ अय्यर
5	अनुवाद	– एन०ई० विश्वनाथ अय्यर
6	प्रयोजनमूलक हिंदी : प्रयुक्ति और अनुवाद	– माधव सोनटक्के
7	अनुवाद के भार्षिक पक्ष	– राजमणि शर्मा
8	अनुवाद क्या है	– राजमल बोरा
9	अनुवाद प्रक्रिया एवं परिदृश्य	– रीतारानी पालीवाल
10	अनुवाद सिद्धांत की रूपरेखा	– डॉ० सुरेश कुमार
11	अनुवाद कार्यदक्षता : भारतीय भाषाओं की समस्याएँ	– सं० महेंद्रनाथ दुबे
12	भाषांतरण कला : एक परिचय	– डॉ० मुध धवन
13	हिंदी की वर्तनी तथा शब्द विश्लेषण	– आचार्य किशोरीदास वाजपेयी
14	कोश निर्माण प्रविधि एवं प्रयोग	– सं० प्रो० त्रिभवननाथ शुक्ल
15	प्रशासनिक हिंदी : ऐतिहासिक संदर्भ	– डॉ० महेशचंद्र गुप्त
16	साहित्यनुवाद : संवाद और संवेदना	– डॉ० आरसु
17	सर्वोदय आशुलिपि	– रूपचंद गौतम

सेमेस्टर चतुर्थ (पाठ्यक्रम प्रथम)

छायावादोत्तर काव्य

इस पाठ्यकम में रचनाओं के साथ–साथ, इस समयावधि के रचनाकर्म, उसकी विशिष्टताओं पर व्यापक चर्चा एवं समीक्षा की जानी अपेक्षित है।

इकाई 1 छायावादोत्तर काव्यांदोलन : युगबोध एवं शिल्प के नए आयाम

काई 2 राष्ट्रीय सांस्कृतिक काव्यधारा, समानांतर काव्यधाराएँ, प्रगतिवाद, प्रयोगवाद, नई कविता, समकालीन कविता, नवगीत।

इकाई 3 अज्ञेय – असाध्य वीणा, कलगी बाजरे की, नदी के द्वीप।
मुक्तिबोध – अंधेरे में।

इकाई 4 नागार्जुन – कालिदास, हरिजन गाथा, अकाल और उसके बाद।
केदारनाथ अग्रवाल – फूल नहीं रंग बोलते हैं (कविता संग्रह), बसंती हवा, मानव के अग्रज, माँझी न बजाओ वंशी।

इकाई 5 द्रुतपाठ :–

सर्वेश्वर दयाल सक्सेना, रघुवीर सहाय, शमशेर बहादुर सिंह, भवानी प्रसाद मिश्र, नरेश मेहता, दुष्यंत कुमार, धर्मवीर भारती।

द्रुतपाठ के लिए चयनित रचनाकारों में से लघु उत्तरीय/अति लघुउत्तरीय प्रश्न पूछे जाएंगे, जो उनके जीवन परिचय तथा रचना से संबंधित होंगे। निबंधात्मक प्रश्न द्रुतपाठ के लिए चयनित रचनाकारों में से नहीं पूछे जाएंगे।

व्याख्याएँ	–	2 X 7 $^{1}/_{2}$	=	15 अंक
निबंधात्मक प्रश्न	–	1 X 15	=	15 अंक
लघु उत्तरीय प्रश्न	–	5 X 2	=	10 अंक
अति लघु उत्तरीय प्रश्न	–	10 X 1	=	10 अंक
योग	–			50 अंक

नोट 01 :– व्याख्याएं इकाई 03 एवं 04 से पूछी जाएंगी। निबंधात्मक प्रश्न इकाई संख्या 01 से 04 तक पूछे जाएंगे।

02 :– लघु उत्तरीय प्रश्नों का उत्तर अधिकतम 200 शब्दों में तथा अति लघु उत्तरीय प्रश्नों का उत्तर अधिकतम 100 शब्दों में लिखना होगा। अति लघु उत्तरीय प्रश्नों में बहुविकल्पीय तथा सत्य–असत्य पर आधारित प्रश्न नहीं पूछे जाएंगे।

संदर्भ सूची :– छायावादोत्तर काव्य

1	रघुवीर सहाय का कविकर्म	– डॉ० सुरेश शर्मा
2	आधुनिक हिंदी कविता में बिम्ब विधान	– केदारनाथ सिंह
3	आज के लोकप्रिय हिंदी कवि नागार्जुन	– संपादक प्रभाकर माचवे
4	नयी कविता की मानक कृतियाँ	– जीवन प्रकाश जोशी
5	स्वातंत्र्योत्तर हिंदी मिथक काव्य : युगीन संदर्भ	– सविता गौड़
6	मार्क्सवाद और काव्य	– शिव कुमार मिश्र
7	तार सप्तक के कवियों की समाज–चेतना	– राजेंद्र कुमार
8	नागार्जुन	– सुरेश चंद्र त्यागी (संपादक)
9	नई कविता का आत्म संघर्ष	– मुक्तिबोध
10	आधुनिक कवियों की दार्शनिक पृष्ठभूमि	– डॉ० राजाराम सोनी
11	नयी कविता पुराख्यान और समकालीनता	– डॉ० एस०ए० सूर्य नारायण वर्मा
12	समकालीन कविता के सरोकार	– डॉ० गुरूचरण सिंह
13	समकालीन हिंदी कविता और लीलाधर जगूड़ी	– डॉ० शर्मिला सक्सेना
14	नागार्जुन का काव्य : एक पड़ताल	– श्री भगवान तिवारी
15	कविता की नयी अवधारणा	– डॉ० राजेंद्र मिश्र
16	हिंदी की प्रगतिशील कविता स्वरूप और प्रतिमान	– डॉ0 मृत्युंजय उपाध्याय
17	समकालीन हिंदी कविता की संवेदना	– डॉ० गोविंद रजनीश
18	नागार्जुन	– डॉ० प्रभाकर माचवे
19	सर्वेश्वर दयाल सक्सेना का काव्य	– डॉ० दौलत सिंह
20	रघुवीर सहाय का कृतित्व	– डॉ० शीला दानी

सेमेस्टर चतुर्थ (पाठ्यक्रम द्वितीय)
पाश्चात्य काव्यशास्त्र

इकाई 1

प्लेटो – काव्य सिद्धांत – आदर्शवाद

अरस्तू –अनुकरण सिद्धांत, विरेचन सिद्धांत, त्रासदी सिद्धांत।

इकाई 2

लोंजाइनस –उदात्त की अवधारणा।

आई0ए0 रिचर्डस – संवेगों का संतुलन, प्रायोगिक समीक्षा।

इकाई 3

कॉलरिज –कल्पना सिद्धांत।

क्रोचे –अभिव्यंजनावाद।

इकाई 4

टी0एस0 इलियट – निर्वैयक्तिकता का सिद्धांत।

मार्क्स और फ्रायड का साहित्य चिंतन।

इकाई 5

संरचनावाद, उत्तर संरचनावाद, विखंडनवाद, उत्तर आधुनिकतावाद।

निबंधात्मक प्रश्न	2 X 15	=	30 अंक
लघु उत्तरीय प्रश्न	5 X 2	=	10 अंक
अति लघु उत्तरीय प्रश्न	10 X 1	=	10 अंक
योग		=	**50 अंक**

नोट :– लघु उत्तरीय प्रश्नों का उत्तर अधिकतम 200 शब्दों में तथा अति लघु उत्तरीय प्रश्नों का उत्तर अधिकतम 100 शब्दों में लिखना होगा। अति लघु उत्तरीय प्रश्नों में बहुविकल्पीय तथा सत्य–असत्य पर आधारित प्रश्न नहीं पूछे जाएंगे।

संदर्भ सूची :– पाश्चात्य काव्यशास्त्र

1 व्यावहारिक आलोचना – कृपाशंकर सिंह/जगन सिंह
2 पाश्चात्य साहित्य चिंतन – निर्मला जैन/कुसुम बांठियां
3 हिंदी आलोचना के नए वैचारिक सरोकार – कृष्णदत्त पालीवाल
4 उत्तर आधुनिक साहित्यिक विमर्श – सुधीश पचौरी
5 पाश्चात्य काव्यशास्त्र – देवेंद्र नाथ शर्मा
6 नई समीक्षा के प्रतिमान – डॉ0 निर्मला जैन
7 पाश्चात्य साहित्यशास्त्र – डॉ0 रामपूजन तिवारी
8 पाश्चात्य समीक्षाशास्त्र : सिद्धांत और परिदृश्य – डॉ0 नगेंद्र
9 आलोचक और आलोचना – बच्चन सिंह
10 आलोचना के बदलते मानदंड और हिंदी साहित्य – डॉ0 शिवकरण सिंह
11 रिचर्ड्स के आलोचना सिद्धांत – डॉ0 शंभुदत्त झा
12 पाश्चात्य काव्यशास्त्र इतिहास सिद्धांत और वाद – डॉ0 भगीरथ मिश्र
13 पाश्चात्य समीक्षाशास्त्र – डॉ0 शांतिगोपाल पुरोहित
14 पाश्चात्य काव्यशास्त्र का इतिहास – डॉ0 तारकनाथ बाली
15 अरस्तू का काव्यशास्त्र – डॉ0 नगेंद्र (संपा0)
16 पाश्चात्य काव्यशास्त्र – अशोक के0 शाह
17 अरस्तू का त्रासदी विवेचन – डॉ0 देवदत्त कौशिक
18 काव्य में उदात्त तत्व – डॉ0 नगेंद्र (सं०)

सेमेस्टर चतुर्थ (पाठ्यक्रम तृतीय –क)
विशिष्ट साहित्य–धारा (भारतीय साहित्य)

इकाई 1

भारतीय साहित्य की परिधि, भारतीय साहित्य में प्रतिबिंबित भारतीय संस्कृति तथा भारतीय साहित्य की मूलभूत एकता

इकाई 2

'हिंदी और बंगला' साहित्य का तुलनात्मक अध्ययन

इकाई 3

मालंच (अनुवाद –नीरजा/फुलवारी) – रवींद्रनाथ ठाकुर (बंगला)

इकाई 4

हयवदन – गिरीश कर्नाड (कन्नड)

इकाई 5 द्रुतपाठ

कालिदास (संस्कृत), सुंदररामास्वामी (तमिल), के0 जी0 शंकर पिल्लै (मलयालम), पाश (पंजाबी), विजय तेंदुलकर (मराठी), जसमा ओड़न (गुजराती), पद्मा सचदेव (डोगरी)।

द्रुतपाठ के लिए चयनित रचनाकारों में से लघु उत्तरीय/अति लघुउत्तरीय प्रश्न पूछे जाएंगे, जो उनके जीवन परिचय तथा रचना से संबंधित प्रश्न होंगे। निबंधात्मक प्रश्न द्रुतपाठ के लिए चयनित रचनाकारों में से नहीं पूछे जाएंगे।

निबंधात्मक/आलोचनात्मक प्रश्न	2 x 15 =	30 अंक
लघु उत्तरीय प्रश्न	5 x 2 =	10 अंक
अति लघु उत्तरीय प्रश्न	10 x 1 =	10 अंक
योग	=	50 अंक

नोट 01 :– इकाई संख्या 01 से 04 तक केवल निबंधात्मक प्रश्न पूछे जाएंगे।
02 :– लघु उत्तरीय प्रश्नों का उत्तर अधिकतम 200 शब्दों में तथा अति लघु उत्तरीय प्रश्नों का उत्तर अधिकतम 100 शब्दों में लिखना होगा। अति लघु उत्तरीय प्रश्नों में बहुविकल्पीय तथा सत्य–असत्य पर आधारित प्रश्न नहीं पूछे जाएंगे।

संदर्भ सूची :– विशिष्ट साहित्य–धारा (भारतीय साहित्य)

1	भारतीय साहित्य की सांस्कृतिक रेखाएं	– परशुराम चतुर्वेदी
2	आधुनिक भारतीय चिंतन	– डॉ0 विश्वनाथ नरवणे
3	भारतीय चिंतन परंपरा	– के0 दामोदरन
4	भारतीय साहित्य के इतिहास की समस्याएं	– डॉ0 रामविलास शर्मा
5	भारतीय साहित्य	– डॉ0 नगेंद्र
6	सूफीमत : साधना और साहित्य	– डॉ0 बलदेव उपाध्याय
7	भागवत संप्रदाय	– डॉ0 बलदेव उपाध्याय
8	भारतीय दर्शन	– डॉ0 बलदेव उपाध्याय
9	संस्कृत साहित्य का इतिहास	– डॉ0 बलदेव उपाध्याय
10	भारतीय साहित्य	– डॉ0 भोला शंकर व्यास
11	भारतीय साहित्य : तुलनात्मक अध्ययन	– ब्रजेश्वर शर्मा
12	भारतीय काव्यशास्त्र	– योगेंद्र प्रताप सिंह
13	भारतीय साहित्य	– संपादक नगेंद्र
14	संस्कृति के चार अध्याय	– डॉ० देवराज
15	साहित्य और संस्कृति	– अमृतलाल नागर
16	राष्ट्रीय नवजागरण और साहित्य	– वीरभारत तलवार
17	विश्व साहित्य शास्त्र	– डॉ0 नगेंद्र (संपादक)
18	भारतीय भाषाएँ और राष्ट्रीय अस्मिता	– मुकुंद द्विवेदी (संपादक)
19	प्राचीन भारतीय साहित्य मीमांसा	– अशोक केलकर

सेमेस्टर चतुर्थ (पाठ्यक्रम तृतीय–ख)
विशिष्ट साहित्य–धारा (कौरवी लोक साहित्य)

इकाई 1

लोक संस्कृति : अवधारणा, लोकधर्म, लोकनीति तथा लोकमानस

लोक जीवन : लक्षण और विधान।

इकाई 2

लोक साहित्य : अवधारणा, लोक साहित्य के रूप, परिचय, प्रकार – लोकगीत, लोककथाएँ, लोकनाट्य (स्वांग), लोकगाथाएं आदि।

कौरवी : परिचय, क्षेत्र तथा सीमाएं, कौरवी की प्रवृत्तियाँ, तथा उच्चारणगत विशेषताएँ, कौरवी के प्रमुख रचनाकार तथा उनकी रचनाएं।

इकाई 3

पाठ्य ग्रंथ : गामेल्लाभास (दोहा–संग्रह) – डॉ0 कृष्णचंद्र शर्मा, लोकदीप प्रकाशन मेरठ, प्रारंभिक 50 दोहे।

लोक जीवन के स्वर (गीत–संग्रह) – डॉ0 कृष्णचंद्र शर्मा, कुरूलोक संस्थान, रामवाटिका, शिवाजी मार्ग, मेरठ (सावन के गीत, टेहले के गीत (प्रारंभिक 25), धार्मिक गीत (05))।

हिंडन अर पेली काई (कविता संग्रह) : हरपाल सिंह अरूष, सहज प्रकाशन मुजफ्फरनगर।

इकाई 4

सतलड़ा (एकांकी–संग्रह) – डॉ० हरद्वारी लाल शर्मा, कुरूलोक संस्थान, मेरठ

लोग : गिरिराज किशोर, राजकमल प्रकाशन दिल्ली।

इकाई 5 **द्रुतपाठ –**

गंगादास, शंकरदास, घीसाराम, मटरूलाल अत्तार, पृथ्वीसिंह बेधड़क, शोभाराम प्रेमी, चंदर बादी, पं हरिवंश लाल, उस्ताद बुनियाद अली

व्याख्याएं	2 X 7 1/2	=	15 अंक
निबंधात्मक/आलोचनात्मक प्रश्न	1 X 15	=	15 अंक
लघु उत्तरीय प्रश्न	5 X 2	=	10 अंक
अति लघु उत्तरीय प्रश्न	10 X 1	=	10 अंक
योग		=	**50 अंक**

नोट 01 :– इकाई संख्या 01 से 04 तक निबंधात्मक प्रश्न पूछे जाएंगे। व्याख्या केवल इकाई 03 (गामेल्लभास (दोहा–संग्रह), लोक जीवन के स्वर (गीत–संग्रह)), हिंडन अर पेली काई (कविता संग्रह) से ही पूछी जाएगी।

02 :– लघु उत्तरीय प्रश्नों का उत्तर अधिकतम 200 शब्दों में तथा अति लघु उत्तरीय प्रश्नों का उत्तर अधिकतम 100 शब्दों में लिखना होगा। अति लघु उत्तरीय प्रश्नों में बहुविकल्पीय तथा सत्य–असत्य पर आधारित प्रश्न नहीं पूछे जाएंगे।

संदर्भ सूची :– विशिष्ट साहित्य–धारा (कौरवी लोक साहित्य)

1 मयराष्ट्र मानस – डॉ0 कृष्ण चंद्र शर्मा (संपादक)
2 खड़ी बोली की साहित्यिक विधाएं एवं रचनाकार (संदर्भ : मेरठ मंडल) – प्रो0 नवीन चंद्र लोहनी
3 कौरवी लोक साहित्य – प्रो0 नवीन चंद्र लोहनी
4 लोकवार्ता विज्ञान (भाग 1 व 2) – डॉ0 हरद्वारी लाल शर्मा
5 लोक जीवन के स्वर – डॉ0 कृष्णचंद्र शर्मा
6 लोक साहित्य – डॉ0 सुरेश चंद्र त्यागी (संपादक)
7 कौरवी शब्द कोश – डॉ0 हरद्वारी लाल शर्मा/डॉ0 कृष्णचंद्र शर्मा/डॉ0 चंद्रपाल सिंह
8 संत गंगादास और उनका काव्य – डॉ0 ब्रजपाल सिंह संत/डॉ0 जगन्नाथ शर्मा 'हंस'
9 कुरू भारती (बोली अंक) – डॉ0 कृष्ण चंद्र शर्मा (संपादक)
10 कुरू भारती (लोककथा अंक) – डॉ0 कृष्ण चंद्र शर्मा (संपादक)
11 उत्तर मध्य क्षेत्र की लोक संस्कृति – जयप्रकाश राय/डॉ0 योगेंद्र प्रताप सिंह
12 लोक साहित्य – सुरेश चंद्र त्यागी (संपादक)
13 लोक साहित्य : स्वरूप और मूल्याकन – डॉ0 श्रीराम शर्मा
14 लोक साहित्य – बाबू राव देसाई
15 कौरवी लोक साहित्य – डॉ0 सुरेश चंद्र शर्मा, पंकज
16 लोक भाषा – डॉ0 कैलाश चंद्र भाटिया
17 ब्रज लोक साहित्य का अध्ययन – डॉ0 सत्येंद्र
18 लोक साहित्य – इंद्रदेव सिंह
19 लोक साहित्य – डॉ0 इंदु यादव
20 लोक साहित्य विज्ञान – डॉ0 सत्येंद्र
21 खड़ी बोली का लोक साहित्य – डॉ0 सत्यागुप्त
22 अवधी लोक साहित्य – डॉ0 सरोजनी रोहतगी
23 कन्नौजी लोक साहित्य – डॉ0 संतराम अनिल
24 हिंदी का प्रादेशिक लोक साहित्यशास्त्र – डॉ0 नंदलाल कल्ला
25 लोक साहित्य और संस्कार संस्कृति – जयनारायण कौशिक
26 लोकगीतों का समाजशास्त्रीय अध्ययन – डॉ0 छोटेलाल बहरदार
27 राजस्थानी लोकनाट्य – डॉ0 सोहनदान चारण
28 लोक साहित्य का शास्त्रीय अनुशीलन – डॉ0 महेश गुप्त
29 लोक संस्कृति और लोक साहित्य – डॉ0 जयनारायण कौशिक
30 कौरवी प्रदेश की लोक संस्कृति – डॉ0 कविता त्यागी
31 खड़ीबोली का लोक साहित्य – डॉ0 सत्या गुप्ता
32 भाषा का लोकपक्ष – डॉ0 रामस्वार्थ ठाकुर
33 लोक संस्कृति के शिखर – सवित्री परमार
34 लोकोक्ति कोश – हरिवंश राय शर्मा

सेमेस्टर चतुर्थ (पाठ्यक्रम तृतीय–ग)
विशिष्ट साहित्य–धारा (प्रवासी हिंदी साहित्य)

इकाई 1

भारतवंशी समाज : इतिहास एवं परंपरा

प्रवासी हिंदी साहित्य का संक्षिप्त इतिहास, प्रवासी हिंदी साहित्य की प्रमुख रचनाएँ/विधाएँ

प्रवासी हिंदी साहित्य की विशेषताएं : क्षेत्रीय विशेषताएं, परिभाषा संसर्ग से नई शब्दावली, व्याकरण के नए रूप

इकाई 2

उपन्यास		**उपन्यासकार**
लाल पसीना	–	अभिमन्यु अनत

इकाई 3

कवि		**कविता**
ब्रजेंद्र कुमार भगत 'मधुकर' (मॉरीशस)	–	महात्मा गांधी की जय
वेद प्रकाश 'वटुक' (अमेरिका)	–	**गीत** – गाँव गए कल
सोमदत्त बखौरी (मॉरीशस)	–	
सत्येंद्र श्रीवास्तव (ब्रिटेन)	–	बार–बार भारत
कमला प्रसाद मिश्र (फीजी)	–	क्या मैं परदेसी हूँ
उषा वर्मा (ब्रिटेन)	–	पीछे देखना संभव
मार्तिन हरिदत्त लछमन (सूरीनाम)	–	वृक्ष की टहनी पर
हरिशंकर आदेश	–	कहे पुकार के

इकाई 4

कहानी		**कहानीकार**	**कहानी**		**कहानीकार**
वह रात	–	उषा राजे सक्सेना (ब्रिटेन),	आस्था	–	हेमराज सुंदर (मॉरीशस),
कब्र का मुनाफा	–	तेजेन्द्र शर्मा (ब्रिटेन),	जड़ों से काटने पर	–	कृष्ण बिहारी (अबूधावी),
भटकन का अंत	–	स्नेह ठाकुर (कनाडा),	हैप्पी न्यू इयर	–	उमेश अग्निहोत्री (अमेरिका),
दिशाएं	–	रामदेव धुरंधर (मारीसस),	दूरियों का साथ	–	पुष्पा सक्सेना (अमेरिका)

इकाई 5 दुतपाठ–

प्रवासी साहित्य के अन्य विविध रूप :– नाटक, निबंध, संस्मरण, पत्र–पत्रिकाएं, नेट पत्रिकाएं, तथा सुषम बेदी, डॉ0 कृष्ण कुमार, दिव्या माथुर, अंजना संधीर, जय वर्मा, पूर्णिमा वर्मन

दुतपाठ के लिए चयनित विधाओं, रचनाकारों में से लघु उत्तरीय/अति लघुउत्तरीय प्रश्न पूछे जाएंगे। जो उनके जीवन परिचय तथा रचना से संबंधित सामान्य प्रश्न होंगे। निबंधात्मक प्रश्न दुतपाठ के लिए चयनित रचनाकारों में से नहीं पूछे जाएंगे।

व्याख्याएँ	–	2 X 7 $^{1}/_{2}$	=	15 अंक
निबंधात्मक प्रश्न	–	1 X 15	=	15 अंक
लघु उत्तरीय प्रश्न	–	5 X 2	=	10 अंक
अति लघु उत्तरीय प्रश्न	–	10 X 1	=	10 अंक
योग	–			50 अंक

नोट 01 :– व्याख्या इकाई संख्या 02 एवं 03 (उपन्यास एवं कविताओं) में से ही पूछी जाएगी।

निबंधात्मक प्रश्न इकाई संख्या 01 से 04 तक पूछे जाएंगे।

02 :– लघु उत्तरीय प्रश्नों का उत्तर अधिकतम 200 शब्दों में तथा अति लघु उत्तरीय प्रश्नों का उत्तर अधिकतम 100 शब्दों में लिखना होगा। अति लघु उत्तरीय प्रश्नों में बहुविकल्पीय तथा सत्य–असत्य पर आधारित प्रश्न नहीं पूछे जाएंगे।

संदर्भ सूची :– विशिष्ट साहित्य–धारा (प्रवासी हिंदी साहित्य)

1 फीजी में हिंदी का स्वरूप और विकास – विमलेश कांति वर्मा
2 अभिमन्यु अनत – कमल किशोर गोयनका
3 हिंदी के यूरोपीय विद्वान : व्यक्तित्व और कृतित्व – मुरलीधर श्रीवास्तव
4 मॉरीशस के भारतीयों का इतिहास – के हजारी सिंह
5 विश्व दर्पण : अंतर्राष्ट्रीय कविता संग्रह – सं. बलवंत सिंह नौबत सिंह
6 फीजी में प्रवासी भारतीय – जगदीश प्रसाद चतुर्वेदी
7 फीजी के राष्ट्रीय कवि कमला प्रसाद मिश्र की कविताएँ – सं. सुरेश ऋतुपर्ण
8 विश्व हिंदी के भगीरथ – डॉ0 भक्त राम शर्मा
9 हिंदी की विश्व यात्रा – डॉ0 सुरेश ऋतुपर्ण
10 ब्रिटेन में हिंदी रचनाकार (ब्रिटेन के बारे में भारत का प्रकाशन) – सं. राधाकांत भारती
11 विदेशी विद्वानों का हिंदी प्रेम – जगदीश प्रसाद बरनावाल कुंद
12 ब्रिटेन में हिंदी – उषा राजे सक्सेना
13 देह की कीमत : कहानी संग्रह – तेजेंद्र शर्मा
14 फीजी का सृजनात्मक हिंदी साहित्य – विमलेश कांति वर्मा
15 मिट्टी की सुगंध – सं. उषा राजे सक्सेना
16 कहीं क्षितिज कहीं लहरें – डॉ0 सतेंद्र श्रीवास्तव
17 कोई तो सुनेगा : काव्य संग्रह – उषा वर्मा
18 गगनांचल : विश्व हिंदी अंक – डॉ0 कन्हैया लाल नंदन
19 चेतना का आत्मसंघर्ष : हिंदी की इक्कीसवीं सदी – सं. मंडल : डॉ0 सुरेंद्र, गंभीर,
20 हिंदी उत्सव ग्रंथ : आठवां विश्व हिंदी सम्मेलन, न्यूयॉर्क – डॉ0 अंजना संधीर, डॉ0 सुषम बेदी, – डॉ0 पी0 जयरामन
20 स्मारिका : सातवां विश्व हिंदी सम्मेलन – सं. मंडल : डॉ0 कमल किशोर गोययनका, – श्रीमती चित्रा मुद्गल, डॉ0 भगवान सिंह, अनुराग चतुर्वेदी
21 प्रतिनिधि अप्रवासी हिंदी कहानियाँ – संपादक हिमांशु जोशी
22 मॉरीशसीय हिंदी साहित्य – मुनीश्वरलाल चिंतामणि
23 विदेशों में हिंदी – इंद्रदेव भोला
24 मॉरीशस का हिंदी कथा साहित्य एक सांस्कृतिक अध्ययन – डॉ0 कृष्ण कुमार झा
25 मॉरीशस लोक साहित्य और संस्कृति – प्रह्लाद रामशरण
26 भारतीय वांग्मय में मॉरीशस की संस्कृति – प्रह्लाद रामशरण
27 मॉरीशस का भोजपुरी साहित्य एवं भारतीय संस्कृति (शोध) – डॉ0 उदय नारायण गंगू
28 विलायत में भारतीय संस्थाएं – रमेश वैश्य मुरादाबादी
29 गंगा से मिसीसिपी तक – डॉ0 श्याम नारायण शुक्ल
30 मॉरीशस में भारतीयों का इतिहास – के0 हजारी सिंह
31 शतदल – हरिशंकर आदेश
32 सूरीनाम का सृजनात्मक हिंदी साहित्य – पुष्पिता अवस्थी
33 हिंदी प्रवासी साहित्य (तीन खण्ड) – कमल किशोर गोयका
34 गिरमिटिया मजदूरों का प्रवासन – डॉ0 सजिल कुमार राय
35 मध्य और पूर्वी यूरोप में हिंदी – सं0 इमरै बंगा
36 देशान्तर (प्रवासी भारतीयों की कविताएँ) – सं0 उषा राजे सक्सेना
36 देशान्तर (प्रवासी भारतीयों की कहानियाँ) – सं0 तेजेंद्र शर्मा

सेमेस्टर चतुर्थ (पाठ्यक्रम तृतीय–घ)
विशिष्ट साहित्य–धारा (प्राचीन भाषा–साहित्य)
संस्कृत

इकाई 1 कुमार संभव– कालिदास (पंचम सर्ग)

इकाई 2 कादंबरी (शूद्रक वर्णन)– बाण
(विंध्यावटी वर्णन तक अर्थात् कथामुख के आरंभ से पुष्पत्पपि विंध्यावटी नाम तक)

इकाई 3 अभिज्ञान शाकुंतलम् – कालिदास (केवल चतुर्थ अंक)

इकाई 4 संस्कृत साहित्य का इतिहास (सामान्य परिचय मात्र)।

इकाई 5 पाठ्यग्रंथों से संबंधित संधि और समास पर प्रश्न।
(केवल वे ही छात्र यह प्रश्न पत्र ले सकते हैं जिन्होंने बी0ए0, एम0ए0 अथवा समकक्ष परीक्षा संस्कृत में उत्तीर्ण न की हो।)

व्याख्याएँ	–	2 X 7 $^{1}/_{2}$	=	15 अंक
निबंधात्मक प्रश्न	–	1 X 15	=	15 अंक
लघु उत्तरीय प्रश्न	–	5 X 2	=	10 अंक
अति लघु उत्तरीय प्रश्न	–	10 X 1	=	10 अंक
योग	–			50 अंक

नोट 01 :– इकाई 01 से 03 तक व्याख्या पूछी जाएगी। इकाई संख्या 01 से 04 तक निबंधात्मक प्रश्न पूछे जाएंगे। इकाई संख्या 05 से लघु उत्तरीय प्रश्न पूछे जाएंगे।

02 :– लघु उत्तरीय प्रश्नों का उत्तर अधिकतम 200 शब्दों में तथा अति लघु उत्तरीय प्रश्नों का उत्तर अधिकतम 100 शब्दों में लिखना हेागा। अति लघु उत्तरीय प्रश्नों में बहुविकल्पीय तथा सत्य–असत्य पर आधारित प्रश्न नहीं पूछे जाएंगे।

प्राकृत–अपभ्रंश

इकाई 1 कर्पूर मंजरी (सम्पूर्ण) – राजशेखर

इकाई 2 पउम चरिउ (प्रथम भाग) – स्वयंभू (केवल बारहवीं व तेरहवीं)

इकाई 3 प्राकृत विमर्श (वर्ष 1974 संस्करण) – सरयू प्रसाद अग्रवाल
प्रकाशन केंद्र, रेलवे क्रासिंग, सीतापुर रोड, लखनऊ
उद्धरण– (1) गाथासप्तशती (3) रावण व हो (5) समराइच्चकहा (7) अभिज्ञान शाकुंतलम् (11) रत्नावली (13) मृच्छकटिकम्।

इकाई 4 प्राकृत तथा अपभ्रंश साहित्य के इतिहास का सामान्य परिचय

इकाई 5 प्राकृत तथा अपभ्रंश शब्दों के रूपों का ज्ञान

व्याख्याएँ	–	2 X 7 $^{1}/_{2}$	=	15 अंक
निबंधात्मक प्रश्न	–	1 X 15	=	15 अंक
लघु उत्तरीय प्रश्न	–	5 X 2	=	10 अंक
अति लघु उत्तरीय प्रश्न	–	10 X 1	=	10 अंक
योग	–			50 अंक

नोट 01 :– इकाई 01 से 03 तक व्याख्या पूछी जाएगी। इकाई संख्या 01 से 04 तक निबंधात्मक प्रश्न पूछे जाएंगे। इकाई संख्या 05 से लघु उत्तरीय प्रश्न पूछे जाएंगे।

नोट 02 :– लघु उत्तरीय प्रश्नों का उत्तर अधिकतम 200 शब्दों में तथा अति लघु उत्तरीय प्रश्नों का उत्तर अधिकतम 100 शब्दों में लिखना हेागा। अति लघु उत्तरीय प्रश्नों में बहुविकल्पीय तथा सत्य–असत्य पर आधारित प्रश्न नहीं पूछे जाएंगे।

संदर्भ सूची :– संस्कृत एवं प्राकृत–अपभ्रंश

1	संस्कृत साहित्य का इतिहास	– ए0 वी0 कीथ
2	संस्कृत साहित्य का इतिहास	– बलदेव उपाध्याय
3	संस्कृत कवि दर्शन	– डॉ0 भोलाशंकर व्यास
4	हायर संस्कृत ग्रामर (हिंदी अनुवाद)	– एन0 आर0 काले
5	संस्कृत व्याकरण	– ह्विटने
6	संस्कृत साहित्य की रूपरेखा	– पं0 चंद्रशेखर पांडेय/डॉ0 शांतिकुमार नानूराम व्यास
7	अपभ्रंश भाषा का पारिभाषिक कोश	– डॉ0 आदित्य प्रचंडिया
8	प्राकृत तथा उसका साहित्य	– डॉ0 हरदेव बाहरी
9	अपभ्रंश साहित्य	– डॉ0 हरवंश कोछड़
10	प्राकृत–अपभ्रंश साहित्य और उसका हिंदी पर प्रभाव	– डॉ0 रामसिंह तोमर
11	तुलनात्मक प्राकृत – पालि–अपभ्रंश व्याकरण	– डॉ0 सुकुमार सेन
12	प्राकृत साहित्य का इतिहास	– जगदीश चंद्र जैन
13	अपभ्रंश भाषा का अध्ययन	– डॉ0 वीरेंद्र श्रीवास्तव
14	हिंदी के विकास में अपभ्रंश का योग	– डॉ0 नामवर सिंह
15	पुरानी हिंदी	– चंद्रधर शर्मा गुलेरी
16	हिंदी साहित्य का आदिकाल	– हजारी प्रसाद द्विवेदी
17	अपभ्रंश पीठिका	– डॉ0 सुमन राजे
18	प्राकृत हिंदी शब्दकोश	– उदय चंद जैन
19	प्राकृत भाषाओं का व्याकरण	– हेमचंद्र जोशी (अनु0)

सेमेस्टर चतुर्थ (पाठ्यक्रम चतुर्थ)
हिंदी आलोचना

इकाई 1

हिंदी आलोचना का स्वरूप और विकास

इकाई 2

आचार्य रामचंद्र शुक्ल, हजारी प्रसाद द्विवेदी की साहित्यिक मान्यताएँ

इकाई 3

नंद दुलारे वाजपेयी, रामविलास शर्मा की साहित्यिक मान्यताएँ

इकाई 4

अज्ञेय, नगेंद्र एंव नामवर सिंह की साहित्यिक मान्यताएँ

इकाई 5

दुतपाठ– शिवदान सिंह चौहान, विजयदेव नारायण शाही, गजानन माधव 'मुक्तिबोध', नलिनविलोचन शर्मा, विश्वनाथ प्रसाद मिश्र, विश्नाथ त्रिपाठी, मैनेजर पाण्डेय ।

दुतपाठ हेतु चयनित रचनाकारों में से केवल लघु उत्तरीय प्रश्न ही पूछे जाएंगे।

निबंधात्मक/आलोचनात्मक प्रश्न	2 X 15 =	30 अंक
लघु उत्तरीय प्रश्न	5 X 2 =	10 अंक
अति लघु उत्तरीय प्रश्न	10 X 1 =	10 अंक
योग	=	**50 अंक**

नोट 01 :– इकाई 01 से 04 तक निबंधात्मक प्रश्न पूछे जाएंगे।
02 :– लघु उत्तरीय प्रश्नों का उत्तर अधिकतम 200 शब्दों में तथा अति लघु उत्तरीय प्रश्नों का उत्तर अधिकतम 100 शब्दों में लिखना होगा। अति लघु उत्तरीय प्रश्नों में बहुविकल्पीय तथा सत्य–असत्य पर आधारित प्रश्न नहीं पूछे जाएंगे।

संदर्भ सूची :– हिंदी आलोचना

1 समकालीन हिंदी समीक्षा – हुकुमचंद राजपाल
2 हिंदी सैद्धांतिक आलोचना – डॉ0 रूपकिशोर मिश्र
3 आलोचना प्रक्रिया और स्वरूप – डॉ0 आनंद प्रकाश दीक्षित
4 शुक्लोत्तर हिंदी समीक्षा और डॉ0 नगेंद्र – डॉ0 विजय कुमार वेदालंकार
5 हिंदी समीक्षा स्वरूप और संदर्भ – डॉ0 रामदरश मिश्र
6 हिंदी आलोचना के नए वैचारिक सरोकार – कृष्णदत्त पालीवाल
7 हिंदी आलोचना का सैद्धांतिक आधार – कृष्णदत्त पालीवाल
8 नामवर सिंह आलोचना की दूसरी परंपरा – संपादक कमला प्रसाद
9 आलोचना के मान – डॉ0 शिवदान सिंह चौहान
10 कामायनी के अध्ययन की समस्याएँ – डॉ0 नगेंद्र
11 साहित्य का इतिहास दर्शन – आचार्य नलिन विलोचन शर्मा
12 महावीर प्रसाद द्विवेदी और हिंदी नवजागरण – डॉ0 रामविलास शर्मा
13 मार्क्सवादी आलोचना – डॉ० शिवदान सिंह चौहान
14 आलोचना के सिद्धांत – शिवदान सिंह चौहान
15 हिंदी साहित्य की जनवादी परंपरा – प्रकाश चंद्र गुप्त
16 प्रगतिशील साहित्य के मानदंड – रांगेय राघव
17 आधुनिक साहित्य की प्रवृत्तियाँ – नामवर सिंह
18 हिंदी साहित्य की दार्शनिक पृष्ठभूमि – विश्वंभर नाथ उपाध्याय
19 मार्क्सवादी साहित्य चिंतन : इतिहास तथा सिद्धांत – शिवकुमार मिश्रा
20 मानव मूल्य और साहित्य – धर्मवीर भारती
21 नई कविता के प्रतिमान – लक्ष्मीकांत वर्मा
22 हिंदी साहित्य और संवदेना का विकास – रामस्वरुप चतुर्वेदी
23 साहित्य और साहित्यकार का दायित्व – विजय देव नारायण साही
24 संस्कृति का दार्शनिक विवेचन – देवराज
25 आधुनिकता और हिंदी साहित्य – इंद्रनाथ मदान
26 हिंदी साहित्य का दूसरा इतिहास – बच्चन सिंह
27 हिंदी आलोचना बीसवीं शताब्दी – निर्मला जैन
28 आधुनिक हिंदी उपन्यास : सृजन और आलोचना – चंद्रकांत बांदिवडेकर
29 आलोचना की पहली किताब – नंद्र किशोर आचार्य, विष्णु खरे
30 नई कविता का परिप्रेक्ष्य – परमानंद श्रीवास्तव
31 हिंदी आलोचना : कुछ कहानियाँ, कुछ विचार – विश्वनाथ त्रिपाठी
32 हिंदी कविता का समकालीन परिदृश्य – हरदयाल
33 आधुनिक हिंदी कविता – विश्वनाथ प्रसाद तिवारी
34 हिंदी आलोचना का विकास – नंद किशोर नवल
35 हिंदी आलोचना : शिखरों का साक्षात्कार – रामचंद्र तिवासी
36 आ० रामचंद्र शुक्ल आलोचना के नए मानदंड – भवदेव पांडेय
37 आ० रामचंद्र शुक्ल और हिंदी आलोचना – रामविलास शर्मा
38 आलोचक के मुख से – डॉ० नामवर सिंह
39 आलोचना और विचार धारा – डॉ० नामवर सिंह
40 आलोचना की सामाजिकता – मैनेजर पांडेय
41 भारत : इतिहास और संस्कृति – गजानन माधव 'मुक्तिबोध'
42 भारतीय साहित्य के इतिहास की समस्याएँ – डॉ० रामविलास शर्मा
43 भारतेंदु हरिश्चंद्र और हिंदी नवजागरण की समस्याएँ – डॉ० रामविलास शर्मा
44 हिंदी आलोचना की बीसवी सदी – निर्मला जैन
45 वाद विवाद संवाद – डॉ० नामवर सिंह